मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, सोमवार 12 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-181, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नरसिंहपुर को दी 175.14 करोड़ रुपए के 31 विकास कार्यों की सौगात

बच्चे और युवा हमारे सुनहरे भविष्य के सितारे, इनकी तरक्की में नहीं आने देंगे कोई बाधा

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बच्चे ही हमारे देश-प्रदेश के भावी कर्णधार हैं। बच्चे और युवा हम सबके सुनहरे भविष्य के चमकते सितारे हैं। हम इनकी शिक्षा-दीक्षा, प्रतिभा प्रोत्साहन और तरक्की में कोई बाधा नहीं आने देंगे। राज्य सरकार आधुनिक शिक्षा सुविधाओं के विस्तार के साथ युवाओं को रोजगार और विकास के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मध्यप्रदेश में विकास का कारवां निरंतर आगे बढ़ता रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को नरसिंहपुर में 42.52 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित शासकीय सांदीपनि विद्यालय भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 35.56 लाख से अधिक हितग्राहियों के बैंक खातों में सिंगल क्लिक से 213.41 करोड़ रुपए की पेंशन राशि अंतरित की।



मुख्यमंत्री ने रविवार को नवरात्र शुभारंभ के अवसर पर नरसिंहपुर जिलेवासियों को नये विकास कार्यों की भी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने यहां लगभग 175.14 करोड़ रुपए लागत के 31 विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण भी शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन योजना- 2026 के अंतर्गत करीब 10 हितग्राहियों को उनके मालिकाना पट्टे की निःशुल्क रजिस्ट्री की कॉपी (चेक सहित) तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां नवनिर्मित सांदीपनि विद्यालय की 15 नई बसों को हरी झंडी दिखाकर सांदीपनि बस सेवा का शुभारंभ किया।

गुरुकुल परम्परा का ही आधुनिक स्वरूप हैं हमारे सांदीपनि विद्यालय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु हो, तो सांदीपनि जैसा। शिष्य हो, तो कृष्ण जैसा और मित्रता हो, तो कृष्ण-सुदामा जैसी। प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे सांदीपनि विद्यालय हमारी प्राचीन गुरुकुल शिक्षा पद्धति और गुरु-शिष्य परंपरा का ही आधुनिक स्वरूप हैं। राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता और शैक्षणिक परिवेश को बेहतर बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त विद्यालय भवन, स्कूल बस, पुस्तकें, यूनिफॉर्म और साइकिल उपलब्ध कराई जा रही हैं। पचहत्तर प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप तथा स्कूल टॉपर्स को स्कूटी प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को आगे बढ़ने के समान अवसर देना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों को सफलता के महत्वपूर्ण सूत्र बताते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की भावना आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार लक्ष्य तय कर पूरी लगन से पढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में आगे बढ़ने की क्षमता है और सही दिशा में किए गए प्रयास सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। लाड़ली बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपए की सहायता दी जा रही है। मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि और ग्रामीण परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल रहा है।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़:कई पुल-घर बहे

एजेन्सी, नेपाल



नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में करीब 35 घर और 6 पुल बह गए, जबकि कम से कम 10 लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है।

बाढ़ से 341 मेगावाट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैंप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बस्तियों में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा।

शुरूआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था। इससे पानी जमा हुआ और फिर अचानक तेज बहाव के साथ नीचे आया। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में आई बाढ़ में 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने बताया कि लगातार हो रहे भूस्खलन के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है।

बिहार में भी बाढ़ का खतरा : बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़ आने से बिहार में भी खतरा बढ़ सकता है। यह नदी आगे त्रिशूली से मिलती है। फिर दोनों का पानी देवघाट के पास नारायणी नदी में पहुंचता है। यही नदी भारत में गंडक के नाम से बिहार में आती है और आगे गंगा में मिल जाती है।

सीजेपी प्रदर्शन: दिल्ली पुलिस का पहला बयान आया सामने

प्रोटेस्ट की नहीं थी इजाजत; नहीं हुआ कानून का पालन

एजेन्सी, नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 10 अक्टूबर को हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन, नेताओं को हिरासत में लेने और कानून-व्यवस्था के हालात को लेकर दिल्ली पुलिस ने रविवार को पहली बार अपना आधिकारिक बयान दिया। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में आज शाम एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई।

डीसीपी पीआरओ नेहा यादव ने जानकारी दी कि दिल्ली में सीजेपी को प्रदर्शन की इजाजत नहीं थी। सीजेपी ने कानून का पालन नहीं किया। वहीं दिल्ली पुलिस ने बताया कि जैसे ही हमें अभिजीत दिपके की दादी के निधन की जानकारी मिली,



उन्होंने तुरंत उनसे संपर्क किया और संवेदना व्यक्त की। पुलिस की ओर से उन्हें भरोसा दिलाया गया कि यदि वह घर जाना चाहते हैं या उन्हें किसी भी प्रकार की सहायता की जरूरत है, तो दिल्ली पुलिस हर संभव मदद के लिए तैयार है।

पुलिसकर्मियों ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें घर जाने के लिए फ्लाइट या बस की व्यवस्था में मदद चाहिए। इसके अलावा, यदि वह अपने माता-पिता या परिवार के किसी अन्य सदस्य से बात करना चाहते हैं, तो पुलिस उनकी बात भी करवा सकती है। नेहा यादव ने कहा कि उन्हें किसी भी तरह की सुविधा या सहायता की जरूरत हो, तो वह बेझिझक बता सकते हैं। लेकिन अभिजीत दीपके ने मना कर दिया। इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की ओर से प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इसमें सीजेपी के सह-संयोजक और प्रवक्ता आशुतोष रांका ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए।

चेन्नई जा रही इंडिगो फ्लाइट में आग

पावर बैंक फटने से लगेज जला

एजेन्सी, नई दिल्ली



दिल्ली से चेन्नई जा रही इंडिगो फ्लाइट की हैदराबाद में इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। इस फ्लाइट में एक पैसेंजर का पावर बैंक ब्लास्ट होने से बैग में आग लग गई थी।

धुआं निकलता देख यात्रियों ने क्रू को खबर दी। इसके बाद प्लेन को हैदराबाद डायवर्ट कर इमरजेंसी लैंडिग करवाई गई। इंडिगो ने कहा कि आग लगने का पता चलते ही केबिन क्रू ने स्थिति को काबू में कर लिया। इसके बाद पायलटों ने विमान को डायवर्ट किया।

इंडिगो ने बताया कि यात्रियों को चेन्नई पहुंचाने के लिए एक दूसरे विमान की व्यवस्था की गई। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। जिसमें यात्री फायर-फायर चिल्लाते नजर आ रहे हैं। इसके बाद वहां बैठे दूसरे यात्री ओवरहेड बिन (सामान रखने वाली जगह) से सामान हटाते दिखाई दे रहे हैं।

इससे पहले मई 2026 में भी हैदराबाद से चंडीगढ़ जा रही इंडिगो फ्लाइट में पावर बैंक में ब्लास्ट हो गया था। इस हादसे में 5 यात्री घायल हो गए थे। पावर बैंक एक यात्री के बैग में रखा था। घटना उस समय हुई, जब फ्लाइट एयरपोर्ट पर खड़ी थी। हादसे के बाद फ्लाइट में धुआं भर गया, जिससे यात्री घबरा गए। तब यात्रियों को इमरजेंसी गेट से निकाला गया। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के मुताबिक, विमान में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने और उड़ान के दौरान उनका इस्तेमाल करने के नियम अलग-अलग हैं।

पीएम ने चेन्नई में 'वी विल डू इट' का नारा दोहराया

मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का किया उद्घाटन

एजेन्सी, नई दिल्ली



पीएम मोदी ने रविवार को चेन्नई में कहा कि मंदिरों से लेकर मेट्रो तक तमिलनाडु में नए भारत की झलक दिखती है। भारत अपनी सांस्कृतिक ताकत से प्रेरणा लेता है, वैज्ञानिक प्रगति के जरिए आगे बढ़ता है। मोदी ने चेन्नई मेट्रो के फेज-2 प्रोजेक्ट के 14.6 किमी लंबे पूनमल्ली-वडापालानी रूट का उद्घाटन भी किया। इसके बाद पीएम ने खुद ट्रेन में यात्रा की, इस दौरान तमिलनाडु के सीएम विजय भी उनके साथ मौजूद थे।

इसके बाद वे जयगोपाल गरोडिया हिंदू विद्यायल के गोल्डन जुबली इवेंट में पहुंचे, जहां उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा। मुझे पूरा भरोसा है। इसके बाद उन्होंने बच्चों से वी विल डू इट का नारा लगवाया।

2026 के विधानसभा चुनावों के बाद यह पीएम मोदी का पहला चेन्नई दौरा है। 2026 में TVK ने जीत हासिल की और एक्टर विजय सीएम बने। कांग्रेस उनकी सहयोगी पार्टी है।

पीएम मोदी बोले- आज आपके बीच आकर, आपके सपनों को महसूस करके मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है। मैं कह सकता हूं भारत का भविष्य बहुत शानदार होगा। और उस भविष्य के सबसे बड़े हीरो आप हैं। मुझे आपके टैलेंट, कॉन्फिडेंस, योग्यता पर भरोसा है। इसलिए आज मैं आप सभी के साथ कुछ बड़े संकल्प दोहराना चाहता हूं। अब जो मैं कहूंगा उसके बाद आपको बोलना है, वी विल डू इट डेवलप तमिलनाडु, डेवलप इंडिया वी विल डू इट...। आज नई एजुकेशन पॉलिसी से देश में एजुकेशन क्वालिटी इंप्रूव हो रही है। ग्लोबल पहचान बढ़ रही है। आज 52 हो गई है। इन आंकड़ों का मतलब बहुत सीधा है। ज्यादा संस्थान, तो आपके लिए ज्यादा अवसर।

पूर्व पीएम की रिहाई के लिए सीएम मार्च निकाल रहे थे

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में इमरान की पार्टी की सरकार बर्खास्त, इमरजेंसी लगी



एजेन्सी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रविवार को खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में इमरजेंसी लगा दी और सरकार बर्खास्त कर दी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसकी घोषणा की।

यहां इमरान खान की पार्टी PTI की सरकार है। खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी पूर्व पीएम की रिहाई की मांग को लेकर समर्थकों के साथ इस्लामाबाद की ओर 4 अक्टूबर से मार्च निकाल रहे थे। अब उन्हें अपना पद छोड़ना होगा।

शहबाज सरकार का आरोप है कि PTI सरकार प्रांत में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जानबूझकर सहयोग नहीं कर रही है। पाक सरकार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगी। इमरजेंसी लगाने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई आपात कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में प्रांत की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा हुई। सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 232 और 234 के तहत इमरजेंसी और गवर्नर शासन लागू करने का फैसला किया।

तेल ठिकानों पर हमले रोकने को तैयार जेलेंस्की

रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम: डोनाल्ड ट्रंप ने किया एलान

एजेन्सी, नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से सीजफायर लागू होने का दावा किया है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 60 दिनों के पूर्ण युद्धविराम पर सहमत होते हैं, तो यूक्रेन में चुनाव कराने की व्यवस्था की जा सकती है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, ₹तत्काल प्रभाव से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में ऊर्जा सीजफायर लागू है। दोनों पक्ष सहमत हो गए हैं। इसका उल्लंघन न करें! इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।₹ हालांकि, बयान में इस सीजफायर की शर्तों और उसके क्रियान्वयन से जुड़ी जानकारी नहीं दी गई है।

ट्रंप के एलान से पहले वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अमेरिकी समाचार चैनल एबीसी के कार्यक्रम 'दिस वीक' से बातचीत में कहा था कि अगर पुतिन दो महीने यानी 60 दिनों के पूर्ण युद्धविराम पर सहमत हो जाएं, तो यूक्रेन चुनाव कराने की व्यवस्था कर सकता है। उन्होंने कहा, ₹कृपया पुतिन से कहिए कि हमें दो महीने, 60 दिनों का पूर्ण युद्धविराम दें। 60 दिन और हम चुनाव करा देंगे।₹ जेलेंस्की का यह बयान ट्रंप की उस आलोचना के जवाब में आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के नेतृत्व पर सवाल उठाए थे और रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले रोकने की मांग की थी।



जेलेंस्की ने कहा कि युद्धविराम से चुनाव कराने के लिए जरूरी परिस्थितियां तैयार हो सकती हैं। यूक्रेन में फिलहाल मार्शल लॉ लागू है, जिसके तहत चुनाव कराने पर रोक है। यूक्रेनी नेतृत्व का कहना रहा है कि युद्ध के दौरान देशव्यापी चुनाव कराने में सुरक्षा और व्यवस्थागत चुनौतियां हैं।

ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने की भी पेशकश

जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले रोकने के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए रूस को भी यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले बंद करने होंगे। उन्होंने कहा था, ₹यूरोप में युद्ध का असली कारण रूस है और केवल रूस ही इसके लिए जिम्मेदार है। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि ऊर्जा ढांचे पर हमले आज से ही रोके जा सकते हैं, लेकिन पुतिन ऐसा नहीं करना चाहते। उन्होंने किसी भी समझौते के लिए ठोस सुरक्षा गारंटी की जरूरत पर जोर दिया। यूक्रेन रूसी तेल ढांचे को निशाना बनाकर मॉस्को की ऊर्जा से होने वाली कमाई और उसके युद्ध प्रयासों पर दबाव बनाने की कोशिश करता रहा है। कीव का कहना है कि एकतरफा हमले रोकने से रूस पर दबाव कम हो सकता है, जबकि यूक्रेन के बिजली संयंत्रों और अन्य ऊर्जा ठिकानों को हमलों से सुरक्षा नहीं मिलेगी।

रूसी डीजल आपूर्ति समझौते पर भी विवाद

रूस से डीजल की आपूर्ति को लेकर ट्रंप के समझौते पर भी विवाद सामने आया है। जेलेंस्की ने शनिवार को इस व्यवस्था की आलोचना करते हुए चेतावनी दी थी कि इससे मॉस्को का हौसला बढ़ सकता है। ईरान से जुड़े युद्ध के फरवरी में शुरू होने के बाद से वैश्विक डीजल कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई है। इससे ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी पर दबाव बढ़ा है। अगले महीने होने वाले अमेरिकी मध्यावधि चुनावों से पहले ईंधन की कीमतें एक अहम राजनीतिक मुद्दा बन गई हैं।

पल भर में मची अफरा-तफरी और जान बचाने की दौड़

जबलपुर के शेल्बी हॉस्पिटल में लगी आग, कमरा नंबर 315 में मची भगदड़

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



मध्य प्रदेश के संस्कारधानी जबलपुर शहर के व्यस्त और पॉश इलाके विजयनगर में स्थित शेल्बी हॉस्पिटल में बीती रात अचानक हुए हादसे ने अस्पताल परिसर में मौजूद हर शख्स को सहमा दिया। रात के सन्नाटे में अचानक अस्पताल के कमरा नंबर 315 से आग की लपटें और काला धुआँ बाहर आने लगा, जिससे पल भर में पूरे अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कमरे से उठते धुएं को देखकर वहां इलाज करा रहे मरीजों, उनकी तीमारदारी में जुटे परिजनों और ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग व सुरक्षा स्टाफ के बीच चीख-पुकार और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। कई परिजन अपने मरीजों को व्हीलचेयर और स्ट्रेचर पर लेकर सुरक्षित बाहर भागते नजर आए। अस्पताल की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था और अलार्म सिस्टम एक्टिव होने से तुरंत हालात की गंभीरता का अंदाजा लग गया। अस्पताल प्रबंधन की तत्परता और दमकल विभाग की कार्रवाई घटना की सूचना मिलते ही शेल्बी हॉस्पिटल प्रबंधन ने बिना एक पल गंवाए तुरंत दमकल विभाग (फायर ब्रिगेड) और स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सा सायरन मौके पर दौड़ पड़ीं। दमकल कर्मियों ने बिना समय गंवाए तुरंत मोर्चा संभाला और युद्धस्तर पर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत और सूझबूझ के साथ दमकल कर्मियों ने आग को आगे फैलने से रोक लिया और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। सूझबूझ से टला बड़ा हादसा, किसी के हताहत होने की खबर नहीं इस पूरी घटना के दौरान सबसे राहत भरी और सुकून देने वाली बात यह रही कि समय रहते उठाए गए कदमों के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना में कोई भी मरीज, परिजन या अस्पताल का कर्मचारी झुलसा नहीं है। एहतियात के तौर पर प्रभावित वार्ड और आसपास के कमरों में भर्ती मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों व दूसरे वॉर्डों में शिफ्ट कर दिया गया था। शॉर्ट सर्किट की आशंका, तकनीकी टीम कर रही है जांच प्रारंभिक तौर पर आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट सर्किट होना माना जा रहा है, क्योंकि जिस कमरे में आग लगी वहां बिजली के उपकरणों का लोड था। हालांकि, आग लगने के वास्तविक और पुख्ता कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, दमकल विभाग और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम मौके पर पहुंच गई थी। विशेषज्ञों की टीम कमरे के अंदर जले हुए हिस्सों और वायरिंग की बारीकी से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आग लगने के असल कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

सड़क हादसेः अलग-अलग घटनाओं में 3 की मौत हवाबाग कॉलेज के सामने दो दोस्तों ने गंवाई जान

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



संजीवनी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अंधमूक बायपास ओवरब्रिज के डाउन कट पर कटनी रोड की सर्विस लेन में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में बाइक सवार 65 वर्षीय रामसेवक तिवारी (निवासी ग्राम सगोड़ी, तहसील मझौली, सिहोरा) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारीः मृतक के 40 वर्षीय पुत्र अंकुर तिवारी (निवासी त्रिमूर्तिनगर, गोहलपुर) ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उन्हें एक एम्बुलेंस चालक ने फोन कर हादसे की सूचना दी थी। नुकसान व चोटेंः रामसेवक तिवारी अपनी बजाज डिस्कवर बाइक (क्रमांक स्क्क20 स्ष्ट 0339) से जा रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उनके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं और उनकी बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस कार्रवाईः शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।2. हवाबाग कॉलेज के सामने हादसाः दो किशोर दोस्तों की इलाज के दौरान मौत दूसरी घटना गोरखपुर थाना क्षेत्र की है, जहां हवाबाग कॉलेज के सामने हुए एक अन्य भीषण सड़क हादसे में 18 वर्षीय साहिल और 17 वर्षीय नितिन बर्मन की मौत हो गई। दोनों गंभीर रूप से घायल अवस्था में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती थे। कैसे हुआ हादसाः ग्वारीघाट निवासी पुन्नू बर्मन ने पुलिस को सूचना दी कि उनका बेटा नितिन बर्मन 10 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे घर से गढ़ा फाटक स्थित मूर्तिकार के पास 'काली जी की प्रतिमा' लाने की बात कहकर निकला था। आधी रात को मिली सूचनाः रात करीब तीन बजे सचिन नामक युवक ने फोन कर परिजनों को सूचना दी कि नितिन और उसका दोस्त साहिल हवाबाग कॉलेज के सामने सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें तुरंत मेडिकल अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में तोड़ा दमः परिजन जब अस्पताल पहुंचे तो दोनों का उपचार चल रहा था। दुर्भाग्यवश, इलाज के दौरान 11 अक्टूबर की सुबह करीब छह बजे साहिल की और सुबह 10 बजे नितिन की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर बारीकी से जांच शुरू कर दी है। संस्कारधानी जबलपुर में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शहर में हुए अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। एक हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की मौके पर ही जान चली गई, वहीं दूसरे दर्दनाक हादसे में घायल हुए दो किशोर दोस्तों ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने एक मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि दूसरे मामले में मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।

तेज आवाज में डीजे बजाने पर कार्रवाई मिनी ट्रक सहित साउंड सिस्टम जब्त

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर में ध्वनि प्रदूषण और अवैध रूप से बज रहे डीजे पर लगाम कसने के लिए पुलिस लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी क्रम में मदनमहल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महानद्दा रोड पर पुलिस गश्त के दौरान नियमों का उल्लंघन कर डीजे बजाए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, 10 अक्टूबर की रात गश्त के दौरान पुलिस टीम को सूचना मिली कि महानद्दा रोड पर स्थित खालसा कॉलेज के सामने एक मिनी लोडिंग ट्रक (क्रमांक स्क्क13 ह्ह 7811) में भारी मात्रा में साउंड बॉक्स लोड करके बहुत तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा है। इस तेज आवाज और कोलाहल के कारण आसपास के रहवासियों और सड़क से गुजरने वाले आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। अनुमति के संबंध में नहीं दिखा सका दस्तावेज सूचना मिलते ही मदनमहल थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और जांच की। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें तेज आवाज में साउंड सिस्टम बजता हुआ पाया गया। मौके पर मौजूद वाहन चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम रोहित सिंह ठाकुर (उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम पिपरिया कला, थाना बेलखेड़ा) बताया। जब पुलिस ने उससे ध्वनि विस्तारक यंत्र (लाउडस्पीकर/डीजे) बजाने के संबंध में वैध अनुमति का पत्र मांगा, तो चालक कोई भी कागजात या अनुमति नहीं दिखा सका। प्रशासनिक नियमों और आदेशों की अवहेलना पाए जाने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मिनी ट्रक को कब्जे में ले लिया। वाहन से दो बड़े साउंड बॉक्स, 10 अन्य साउंड बॉक्स और एक एम्पलीफायर सहित पूरे साउंड सिस्टम को जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी चालक रोहित सिंह ठाकुर के खिलाफ मध्य प्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा 7/15 के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

वर्तमान समय में संस्कार हीनता झेल रही समाज आज रिश्ते नातों से भी दूर होती जा रही : आर्यिका दृढ़मति

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



संत शिरोमणी आचार्य भगवंत श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के अवतरण दिवस (तारीख अनुसार) के अवसर पर विद्या कुल शिरोमणी आचार्य भगवन श्री 108 समय सागर जी महाराज के शुभाशीष से उनके ही पथानुगामी आर्यिका रत्न श्री 105 दृढमति माता जी, आर्यिका श्री पावन मति माता जी, आर्यिका श्री आलोक मति जी, आर्यिका श्री आस्त मति जी, आर्यिका श्री विजित मति माता जी के सानिध्य में विद्या वाटिका परिसर शिवनगर में बाल विद्या संस्कार शिविर आयोजित किया गया। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति एवं चातुर्मास धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में लगभग 200 बालक बालिकाओं को उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ संस्कारित किया गया और अपनी संस्कृति को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आर्यिका रत्न श्री दृढमति माता जी ने आशीर्वचन देते हुए कहा वर्तमान समय में संस्कार हीनता झेल रही समाज आज रिश्ते नातों से भी दूर होती जा रही है, संयुक्त परिवार से जुड़ाव ना होने से बच्चे दादा दादी और नाना नानी की कहानियों से भी अनजान हो गए हैं। बच्चों के तन और मन पर पाश्चात्य सभ्यता का चलन बढ गया है। श्रमण संस्कृति में सोलह संस्कार बताए गए हैं जिनमें से बाल संस्कार आज सम्पन्न हुआ। यह बाल संस्कार जीवन को भव्य बनाते हैं । पूज्य आर्यिका श्री जी ने मर्यादित परिधान धारण करने की सलाह दी, जिससे दूसरे के दूषित मन का प्रभाव ना पड़े। विद्यासागर संस्कार वाटिका की शिक्षिका बहनों की संयोजना सराहनीय रही। संस्कार शिविर में पुरस्कार वितरण के पुन्यार्जक श्रावक श्रेष्ठी श्रीमति सुशीला देवी, अक्षय जैन, आशु, अभि जैन समस्त महिमा परिवार रहे। नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा आर्यिका संघ के कर कमलों में जिनवाणी समर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त किया।

अंतरराष्ट्रीय जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के तत्वावधान में आगामी 27 दिसंबर को इंदौर में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन के पोस्टर का रविवार को विमोचन किया गया। कंचन विहार स्थित श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य मुनि श्री 108 निष्कम्प सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों ने सम्मेलन की सफलता की कामना की। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में महाकौशल-विंध्य रीजन के अध्यक्ष सीए मनोज जैन, सचिव हेमंत जैन, कोषाध्यक्ष सुनील घीया, अतिरिक्त महासचिव प्रदीप ममता एवं प्रवीण जैन सहित मेन ग्रुप से अंशुल शेलजा घीया उपस्थित रहे। नगर ग्रुप की ओर से सुधीर जैन लक्ष्मी, पंकज प्रतिभा, साधना दिलीप एवं अजय निवेदिता ने सहभागिता की। संस्कारधानी ग्रुप की सचिव चित्रा सुनील घीया, अजय निरमा और बाल ब्रह्मचारी संजय कटंगा सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। इस अवसर पर महाकौशल-विंध्य रीजन को मुनि श्री निष्कम्प सागर जी महाराज का पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उपस्थितजनों ने मुनिश्री से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया और सम्मेलन के सफल आयोजन की कामना की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन समाज के युवक-युवतियों को योग्य जीवनसाथी के चयन के लिए एक साझा मंच उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण पहल है। ऐसे आयोजनों से युवक-युवतियों और उनके परिवारों को आपसी परिचय का अवसर मिलता है। समाज में एकता और सद्भाव को बढ़ावा मिलता है।समाचारों को जन-जन तक पहुंचाने में योगदान के लिए राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नितिन जैन एवं सुबोध कामरेड का अभिनंदन भी किया गया।

दिल दहला देने वाली घटना: सोते समय घर से गायब हुई 2 साल की मासूम, दुष्कर्म की आशंका से मचा हड़कंप

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



जबलपुर के जय नगर थाना क्षेत्र के सनातन चौक इलाके में बीती रात एक श्रमिक दंपति के साथ जो हुआ, उसने पूरे इलाके को सन्न कर दिया है। यहां एक गरीब मजदूर परिवार की दो साल की नन्ही बच्ची रात में अपने घर के बाहर अन्य परिजनों के साथ सो रही थी। इसी दौरान देर रात वह अचानक रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। जब परिजनों की नींद खुली और उन्होंने बच्ची को बिस्तर पर नहीं पाया, तो उनके हाथ-पांव फूल गए। परिवार और आस-पड़ोस के लोगों ने तुरंत आसपास के इलाकों में उसकी तलाश शुरू की। कुछ ही देर की खोजबीन के बाद बच्ची घर के नजदीक ही बेहद डरी हुई और रोती हुई अवस्था में बरामद हुई। मासूम की शारीरिक हालत और उसकी नाजुक स्थिति को देखकर परिजनों की घबराहट और बढ़ गई। बिना एक पल गंवाए परिजनों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और बच्ची को गंभीर हालत में इलाज के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका डॉक्टर्स की देखरेख में इलाज चल रहा है। घटना की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क हो गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि कोई अज्ञात युवक गलत इरादे से मासूम को उसके घर के पास से उठाकर ले गया था।

भेड़ाघाट में नौकायान प्रारंभ

बारिश थमने के बाद नर्मदा उत्सव की तैयारियां तेज

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



भेड़ाघाट के पंचवटी घाट पर वर्षाकाल के कारण थमा नौकायन आज सोमवार, 12 अक्टूबर से औपचारिक रूप से दोबारा आरंभ किया जा रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी के अनुसार आगामी 24 और 25 अक्टूबर को आयोजित होने वाले द्विदिवसीय भव्य नर्मदा उत्सव की व्यापक प्रशासनिक तैयारियां तेजी से जारी हैं। धार्मिक महत्व की पंचकोसी परिक्रमा यात्रा तथा सामान्य दिनों में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के विशाल हुजूम को देखते हुए परिषद ने संपूर्ण परिसर में स्वच्छता, घाटों के सौंदर्यीकरण तथा बोट्स के व्यवस्थित संचालन का मजबूत ढांचा तैयार कर लिया है, ताकि किसी भी आगंतुक को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। तीन सौ लाइफ जैकेट से लैस हुई नावें जल स्तर में सुधार होते ही नाविकों ने अपनी कश्तियां पानी में उतारने की तैयारी कर ली है। सुरक्षित जल यात्रा सुनिश्चित करने के मकसद से परिषद प्रशासन ने 300 लाइफ जैकेट्स का नया जत्था उपलब्ध कराया है। हर यात्री को यह सुरक्षा कवच पहनना अनिवार्य रहेगा। इसके अतिरिक्त, आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संभावित विशाल आमद के मद्देनजर अतिरिक्त जैकेट्स भी बुलवाई गई हैं। पंचवटी से भेड़ाघाट के मध्य जल मार्ग पर संचालित होने वाली प्रत्येक बोट के साथ पेशेवर गोताखोरों का विशेष दल मुस्तैद रहेगा। किसी भी आकस्मिक परिस्थिति या जल संकट से तत्काल निपटने के लिए यह बचाव दल उपकरणों सहित तैराक नावों पर सक्रिय रूप से मौजूद रहेगा।

घट स्थापना के साथ शारदेय नवरात्र प्रारंभ

शारदेय नवरात्र के पहले दिन आदिशक्ति के पांव पखारने सुबह से लगी कतारें

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शारदेय नवरात्र के पहले दिन जहां घर-घर में घट कलश स्थापना हुई, वहीं मंदिरों में प्रातःकाल से पूजन-अर्चन का क्रम प्रारंभ हो गया। दुर्गा उत्सव समितियों में प्रतिमाओं की स्थापना के लिए जोरदार तैयारियों की जा रही हैं। वहीं बैठकी से ही कुछ स्थानों में प्रतिमाओं की स्थापना कर ली गई है। रामलीला का मंचन चल रहा है। रावण दहन परंपरा अनुसार छोटे फुहारा में किया जायेगा। वैसे शहर में पंचमी तक अधिकांश सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिमाओं की स्थापना पूरी कर ली जाती है। शारदेय नवरात्र के इस पर्व पर चारों तरफ धर्म ध्वजा लहरा रही है, श्रद्धालु आदिशक्ति की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। महाआरती, दुर्गा सप्तशती का पाठ, भजन संध्या, आदि विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। नवरात्र के प्रथम दिन से ही नगर के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। तेवर स्थित मां त्रिपुर सुन्दरी मंदिर, भानतलैया स्थित बड़ी खेरमाई, चारखंबा स्थित बूढ़ी खेरमाई मंदिर, छोटी खेरमाई मंदिर, मदन महल स्थित मां शारदा मंदिर, शोभापुर स्थित माई के मंदिर, भटौली स्थित कालीधाम, सिविक सेंटर स्थित मां बगला मुखी मंदिर, मां शीतला मंदिर, घमापुर, गंजीपुरा, स्थित हरदौल मंदिर आदि में श्रद्धालुओं की चहल-पहल देखी जा रही है मंदिरों में आकर्षक साज-सज्जा भी की गई है। नवरात्र के पहले दिन माँ शैलपुत्री की आराधना की गई। दूसरे दिन भगवती ब्रह्मचारिणी के पूजन का विशेष महत्व है। पर्व का दूसरा दिन उन्हीं का माना जाता है। पं.पीएल गौतमाचार्य के अनुसार भगवान शिव को पाने के लिए मां ब्रह्मचारिणी ने कठोर तप किया, जिसके परिणामस्वरुप प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें स्वीकार किया। आज के दिन तीन वर्ष की कन्या के पूजन का विशेष महत्व है। इनको देवी जैसा मानकर वस्त्र, फल व मिष्ठान भेंट करना चाहिए। इससे जीवन में समृद्धि आती है। यदि जन्मपत्रिका में ग्रहों का कारण मानसिक अस्थिरता या व्यापार व करियर में बाधा आ रही हो तो भगवती को सात हरे वस्त्र भेंट कर उन्हें कन्याओं को अर्पित करना चाहिए। प्रतिमाओं की स्थापना प्रारंभ श्रीवृहद महाकाली समिति गढाफाटक बड़ी महाकाली, सुनहराई, नुनरहाई, नटबाबा दुर्गा उत्सव समिति गढ़ाफाटक, नवयुवक महाकाली मंडल छोटी मस्जिद, सिटी बंगाली क्लब करमचंद चौक आदि स्थानों पर मां भगवती की प्रतिमाएं स्थापित की जा चुकी है।

न्यूज ब्रीफ

शारदीय नवरात्र प्रारंभ, मंदिरों में गूंजे माता के जयकारे



ग्वालियर। शक्ति की भक्ति के विशेष दिन शारदीय नवरात्र रविवार को घट स्थापना के साथ प्रारंभ हो गए इस अवसर पर शहर में विभिन्न स्थानों पर माता की प्रतिमा स्थापित की गई शहर में सुबह से शाम तक माता के भक्त प्रतिमाएं लेकर गाजे बाजे के साथ प्रतिमा स्थल पहुंचे और पूजा अर्चना के साथ माता की प्रतिमा विराजित की गई नवरात्रि के चलते शहर के सभी प्रमुख देवी मंदिरों में तड़के से लेकर देर रात तक माता के जयकारे गूंजते रहे माता के भक्तों ने व्रत धारण कर आज माता के प्रथम स्वरूप की पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना शहर के प्रमुख स्थानों पर आकर सजावट के साथ मंच बनाया गया जिस पर माता की प्रतिमा स्थापित की गई नवरात्रि की प्रथम दिन शहर में फलारी समान तथा पूजन सामग्री की दुकानों पर भारी भीड़ नजर आई नवरात्रि के प्रथम दिन लोगों ने व्रत धारण किया माता की भक्ति में लीन रहेंगे शहर के मरने की माता छोटी करौली सहित अन्य प्रमुख मंदिरों के अलावा शीतला माता मंदिर रतनगढ़ वाली माता और दतिया के पीतांबरा माई के दरबार में अभी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ नजर आई.

बीपीएल हितग्राही शीघ्र कराएं सत्यापन नहीं तो रुक जाएगी पेंशन



ग्वालियर। बीपीएल परिवारों के हितग्राही, जिन्हें शासन द्वारा इंदिरा गांधी पेंशन योजना अंतर्गत 600 रुपये प्रतिमाह प्राप्त होती है, वे अपने निकटतम वार्ड ऑफिस अथवा नगर निगम कार्यालय में जाकर मोबाइल के माध्यम से अपना सत्यापन शीघ्र करायें। उपायुक्त जनकल्याण उत्तम जखेनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि एनपीएस योजना के पेंशन हितग्राहियों के डी.एल.सी. (डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट) सत्यापन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शहर के ऐसे सभी बीपीएल परिवारों के हितग्राही, जिन्हें शासन द्वारा 600 रुपये प्रतिमाह पेंशन प्राप्त होती है, वे अपने निकटतम वार्ड ऑफिस अथवा नगर निगम कार्यालय में जाकर मोबाइल के माध्यम से अपना सत्यापन शीघ्र करा करावे। हितग्राहियों से अपील है कि वे समय पर अपना

कांग्रेस ने निकाला ब्लॉक स्तरीय पैदल मार्च



ग्वालियर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 'लोकतंत्र बचाओ, वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान' के तहत लोकतंत्र, संविधान एवं मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी क्रमांक 3 के अध्यक्ष धर्मवीर राठौर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी 4 के अध्यक्ष मुनेन्द्र भदौरिया के नेतृत्व में ब्लॉक स्तरीय पैदल मार्च गिर्राज मंदिर, चार शहर का नाका से प्रारंभ होकर किला गेट चौराहे तक पहुंचा। मार्च में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सुनील शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। लोकतंत्र की रक्षा, संविधान की गरिमा बनाए रखने और मतदाताओं के मताधिकार की सुरक्षा के संकल्प के साथ अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

अवैध खनन रोकने पर वन अमले को धमकाया

बाइक अड़ाकर रास्ता रोका, पथराव के लिए उकसाया, जान से मारने की धमकी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।



ग्वालियर के तिघरा थाना क्षेत्र की कालाखेत बीट में अवैध खनन पर कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम को खनन में लगे लोगों ने धमकाया। वनकर्मियों का आरोप है कि छेनी-हथौड़ी जब्त कर लौटते समय आरोपियों ने बाइक अड़ाकर सरकारी वाहन का रास्ता रोक लिया। उन्होंने साथी को वनकर्मियों पर पत्थर फेंकने के लिए उकसाया और वन चौकी तोड़ने के साथ जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने पथराव किया तो वन अमले ने छिपकर जान बचाई। दूसरे सरकारी वाहन का सायरन सुनकर आरोपी मौके से भाग गए। घटना शनिवार और रविवार की रात की है। पुलिस ने रविवार को वनकर्मियों की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लखनपुरा वन चौकी प्रभारी केशव दत्त के मुताबिक, 10 अक्टूबर को वन अमला सरकारी वाहन से कालाखेत बीट के कक्ष क्रमांक 360 में देर रात गश्त कर रहा था। इसी दौरान पुराने मलबे के गड्ढों की तरफ से ठक-ठक की आवाज सुनाई दी। टीम मौके पर पहुंची तो प्रयागपुरा निवासी मेवाराम गुर्जर दो मजदूरों के साथ छेनी-हथौड़ी से फर्शी पत्थर निकालता मिला। वन अमले को देखकर आरोपी भागने लगे। उन्होंने औजार ले जाने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी। वनकर्मियों के मुताबिक, जब्त किए गए फर्शी पत्थरों का परिवहन संभव नहीं था। इसलिए उन्होंने पत्थरों को तोड़कर अनुपयोगी कर दिया और खनन में इस्तेमाल हो रहे औजार जब्त कर लिए। इसके बाद टीम लखनपुरा चौकी के लिए रवाना हो गई। लौटते समय वन अमला प्रयागपुरा और सीडन का पुरा के बीच पहुंचा। वहां मेवाराम अपने एक साथी के साथ बाइक से पहुंचा। उसके साथी के हाथ में डंडा था। आरोप है कि मेवाराम ने सरकारी गाड़ी के आगे बाइक अड़ाकर रास्ता रोक लिया और वनकर्मियों को डराने लगा। इसके बाद उसने अपने साथी से वनकर्मियों पर पत्थर फेंकने को कहा। आरोपियों ने चिल्लाते हुए वन चौकी तोड़ने और जान से मारने की धमकी दी। वनकर्मियों के मुताबिक, आरोपियों ने पथराव भी किया, जिससे टीम को छिपकर अपनी जान बचानी पड़ी। इसी बीच गेम सर्किल रायपुर का दूसरा सरकारी वाहन सायरन बजाते हुए मौके पर पहुंच गया। खुद को घिरता देख आरोपी धमकी देते हुए भाग निकले। इसके बाद वन अमले ने डायल 112 पर सूचना दी और सुरक्षित लखनपुरा चौकी पहुंचा।

ग्वालियर थाने में हिस्ट्रीशीटर की गुंडागर्दी गिरफ्तार : मारपीट की शिकायत करने पहुंचे युवक को थाने में घुसकर पीटा

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर का ग्वालियर थाना परिसर उस वक्त जंग का मैदान बन गया, जब शनिवार को एक हिस्ट्रीशीटर ने पुरानी रंजिश के चलते फरियादी को पुलिस थाना परिसर के अंदर ही पीट दिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से थाने में अफरा-तफरी मच गई। ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवानों ने तुरंत हस्तक्षेप कर पीड़ित को बचाया और आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया। पकड़ा गया आरोपी इलाके का लिस्टेड बदमाश है, जिसके खिलाफ कई गंभीर मामले दर्ज हैं। थाने में आमना-सामना होते ही भड़का विवाद पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कोटावाला मोहल्ला निवासी कुलदीप सिकरवार (43) और किलागेट निवासी हिस्ट्रीशीटर विकास उर्फ ब्लैकी कुशवाह (20) के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही है। 10 अक्टूबर की शाम करीब 6:30 बजे दोनों के बीच बाहर विवाद और गाली-गलौज हुई थी। इसी की शिकायत दर्ज कराने दोनों पक्ष एक-दूसरे के पीछे थाना ग्वालियर पहुंचे थे। थाना परिसर में जैसे ही दोनों का आमना-सामना हुआ, विकास उर्फ ब्लैकी अपना आपा खो बैठा और उसने कुलदीप पर हमला कर दिया। आरोपी ने थाना परिसर के अंदर ही युवक को पीटना शुरू कर दिया। शोर सुनकर परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत स्थिति संभाली, दोनों को अलग किया और आरोपी को हिरासत में ले लिया। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रशांत शर्मा ने बताया कि फरियादी कुलदीप सिकरवार की रिपोर्ट पर आरोपी विकास उर्फ ब्लैकी कुशवाह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत अपराध दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी विकास एक शातिर अपराधी है, जिसके खिलाफ हत्या के प्रयास, चोरी, जुआ और मारपीट के 5 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। इस मामले में एसएसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि थाना परिसर में ही फरियादी पक्ष से मारपीट करने वाले आरोपी पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना अंतर्गत 20 नवम्बर को होगा निः शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



नगर निगम ग्वालियर द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजनान्तर्गत दिनांक 20 नवम्बर 2026 शुक्रवार को निःशुल्क सामूहिक विवाह एवं निकाह का आयोजन किया जा रहा है। जिसके आवेदन 5 नवम्बर 2026 तक जमा किए जा सकेंगे। उपायुक्त जनकल्याण उत्तम जखेनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजनान्तर्गत दिनांक 20 नवम्बर 2026 शुक्रवार को सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उक्त सम्मेलन में निम्न दस्तावेज के साथ गरीब कन्याओं की शादी हेतु कन्या का पंजीयन करा सकते है एवं अपने निकटस्थ क्षेत्रीय कार्यालय, जनमित्र केन्द्र, नगर निगम ग्वालियर में आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर योजना में पंजीयन कर सकते हैं। अतः आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर योजनान्तर्गत लाभ राशि रूपये 49,000 प्रति कन्या लाभ उठावें। योजनान्तर्गत पंजीयन हेतु सिटी सेन्टर स्थित नगर निगम मुख्यालय ग्वालियर के कक्ष क्रमांक 06 (जनकल्याण विभाग) में भी आवेदन करने की व्यवस्था की गई है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में विवाह कराने पर यह दस्तावेज लगेंगें। जिसमें वर एवं कन्या के 03 फोटो, वर एवं कन्या के आधार कार्ड की छायाप्रति, गरीबी रेखा राशन कार्ड की छायाप्रति, कन्या का बैंक खाता की छायाप्रति, कन्या का मूल निवासी प्रमाण-पत्र, वर एवं कन्या का समग्र परिवार आई डी. (ई-के वाय.सी. सहित), जन्मतिथि संबंधी दस्तावेज (10वी कक्षा की अंक सूची या मेडिकल प्रमाण पत्र), वर एवं कन्या के वोटर कार्ड या पैन कार्ड की छायाप्रति। साथ ही कन्या म.प्र. की मूल निवासी हो, कन्या की न्यूनतम उम्र 18 तथा वर की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष हो तभी आवेदन मान्य किए जाएगें।

मध्यप्रदेश शासन ने स्वीकृत किये 9.99 करोड़

ग्वालियर को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का म्यूजियम, पर्यटन को लगेंगे नए पंख

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



देश की प्रथम रक्षा पंक्ति - सीमा सुरक्षा बल के शौर्य और गौरव की गाथा को अब आमजन और भी करीब से अनुभव कर सकेंगे। ग्वालियर जिले के टेकनपुर स्थित सीमा सुरक्षा बल अकादमी के म्यूजियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर, जिला प्रशासन ग्वालियर तथा मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के मध्य एक महत्वपूर्ण स्ह्ह किया गया है। इस त्रिपक्षीय समझौते के अंतर्गत म.प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा बीएसएफ के वर्तमान म्यूजियम का भव्य उन्नयन कार्य कराया जावेगा। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य ऑडियो/विजुअल और इमर्सिव तकनीक के माध्यम से नागरिकों को बीएसएफ के गौरवशाली इतिहास, राष्ट्र की रक्षा में उसके योगदान और जवानों के अदम्य साहस का जीवंत अनुभव कराना है, ताकि युवाओं एवं आम लोगों में सीमा सुरक्षा बल के प्रति रुझान और सम्मान जागृत हो सके। इस हेतु मध्यप्रदेश राज्य शासन द्वारा 9.99 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बताया कि इस परियोजना के पूर्ण होने से ग्वालियर अंचल में पर्यटन को नई गति मिलेगी और टेकनपुर बीएसएफ म्यूजियम प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित होगा।

जरूरतमंद बस्तियों के बच्चों को ध्वजा दिखा कर जैन तीर्थ सोनागिर यात्रा रवाना किया

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 2 एवं सेवार्थ जन कल्याण समिति ग्वालियर के द्वारा जरूरत मंद बस्तियों में संचालित स्कूलों के लगभग 15 0 बच्चे, पाठशालाओं संचालक एवं शिक्षकों का एक दल और दो बसों द्वारा जैन तीर्थ सोनागिर जी के दर्शन वंदना करने तथा जैन दर्शन का अध्ययन करने के लिए आज रविवार को मांढरे की माता कंपू से सोनागिर रवाना की गई। बसों को रवाना करने से पूर्व दल के सभी सदस्यों को फल वितरित किए गये। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि जैन तीर्थ सोनागिर के लिए बसों को झंडी दिखाकर रवाना करने के कार्यक्रम में सेवार्थ जनकल्याण समिति के संभागीय अध्यक्ष श्री ओम पी दीक्षित जी के अतिरिक्त भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन अतिवीर महेंद्र कुमार जैन एडवोकेट, राष्ट्रीय प्रचार अध्यक्ष अतिवीर राजेश जैन बंटी, राष्ट्रीय संरक्षक बालचन्द जी जैन, राष्ट्रीय संरक्षक प्रवीण कुमार गंगवाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष महेंद्र कुमार जैन, क्षेत्रीय मंत्री वीर कमलेश जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर रवि जैन, क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी सचिन जैन, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष प्रीति जैन एवं बीना जैन शाखा अध्यक्ष चेतकपुरी सुखद यात्रा की शुभकामनाएं के साथ रवाना की। आभार क्षेत्रीय अध्यक्ष महेन्द्र जैन ने किया।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने जी आईआईटी कैंपस में होगा स्वच्छता संवाद कार्यक्रम आयोजित

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर में स्वच्छता के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने तथा स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ने के उद्देश्य से नगर निगम ग्वालियर द्वारा निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में सोमवार, 12 अक्टूबर को ग्वालियर इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी कैंपस में 'स्वच्छता संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराना तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। संवाद के माध्यम से स्वच्छता संबंधी अच्छी आदतों को दैनिक जीवन में अपनाने, कचरे को निर्धारित स्थान पर डालने, गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखने के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए नागरिकों की सहभागिता को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्वच्छता केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामूहिक दायित्व है। आमजन के सहयोग और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव से ही शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है। इसी भावना के साथ स्वच्छता संवाद कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और उन्हें इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। नगर निगम ग्वालियर का प्रयास है कि स्वच्छता के प्रति जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाकर नागरिकों के सहयोग से स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर ग्वालियर के संकल्प को साकार किया जाए।

सिंधिया राजपरिवार की कुलदेवी हैं मांढरे वाली माता

कैंसर पहाड़िया पर 150 साल पुराना मंदिर, जयविलास पैलेस की खिड़की से होते थे दर्शन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर की कैंसर पहाड़िया पर विराजमान मांढरे वाली माता का दरबार करीब 150 साल से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। नवरात्र में यहां भक्तों की भीड़ उमड़ती है। अष्टभुजा मां काली के दर्शन कर श्रद्धालु परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। मंदिर का इतिहास सिंधिया राजवंश से जुड़ा है। कभी घने जंगल के बीच स्थित इस मंदिर के आसपास जंगली जानवरों की आवाजाही रहती थी। आज पहाड़िया पर आबादी बढ़ गई है और ऊंची इमारतें खड़ी हो गई हैं, लेकिन माता के प्रति भक्तों की आस्था आज भी उतनी ही गहरी है। मंदिर की स्थापना सिंधिया राजवंश के कर्नल आनंद राव मांढरे ने कराई थी। वे महाराष्ट्र के सतारा स्थित मांढरे वाली माता के परम भक्त थे। मान्यता है कि ग्वालियर आने के बाद माता ने उन्हें स्वप्न में दर्शन दिए और उचित स्थान पर अपनी प्राण-प्रतिष्ठा कराने का आदेश दिया। इसके बाद तत्कालीन महाराजा सिंधिया के सहयोग से कैंसर पहाड़िया पर मंदिर स्थापित कराया गया। यहां विराजमान अष्टभुजा मां काली की प्रतिमा श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से मांगी गई मुराद माता जरूर पूरी करती हैं। जयविलास पैलेस की खिड़की से दर्शन करते थे राजपरिवार के सदस्य मांढरे वाली माता मंदिर और सिंधिया राजपरिवार का पुराना संबंध रहा है। मंदिर जयविलास पैलेस से करीब एक किलोमीटर दूर है। मान्यता है कि पहले राजपरिवार के सदस्य महल की एक विशेष खिड़की से माता के दर्शन किया करते थे। मंदिर के पुजारी अशोक राव मांढरे बताते हैं कि आसपास ऊंची इमारतें बन जाने के कारण अब जयविलास पैलेस से मंदिर दिखाई नहीं देता। पुजारी के मुताबिक, मंदिर में पूजा-अर्चना की परंपरा पांचवीं पीढ़ी निभा रही है। सिंधिया राजपरिवार की कुलदेवी होने के कारण अष्टमी, नवमी और दशहरे पर राजपरिवार के सदस्य अलग-अलग दिनों में माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। मंदिर से श्रद्धालुओं का जुड़ाव कितना पुराना है, इसका अंदाजा श्यामराव ढापले की बातों से लगाया जा सकता है। वे करीब 50 साल से लगातार माता के दर्शन करने आ रहे हैं। श्यामराव बताते हैं कि माता उनके परिवार की कुलदेवी हैं और वे हर साल दर्शन के लिए पहुंचते हैं। पुराने दिनों को याद करते हुए वे बताते हैं कि पांच दशक पहले कैंसर पहाड़िया पर घना जंगल हुआ करता था। मंदिर तक आने में डर लगता था और आसपास जंगली जानवर दिखाई देते थे। श्यामराव के मुताबिक, उन्होंने उस दौर में यहां शेर को दहाड़ते हुए भी देखा था। समय के साथ पहाड़िया का स्वरूप बदल गया। जहां कभी जंगल था, वहां अब आबादी और ऊंची इमारतें नजर आती हैं। नवरात्र के दौरान मांढरे वाली माता मंदिर में विशेष रौनक रहती है। अष्टमी, नवमी और दशहरे पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भक्त पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। करीब डेढ़ सदी पुराना यह मंदिर ग्वालियर की धार्मिक विरासत के साथ सिंधिया राजवंश से जुड़ी परंपराओं को भी संजोए हुए है।

संपादकीय

आरटीआईः दो दशकों का सफर और चुनौतियां

12 अक्टूबर, 2005 को जब देश में सूचना का अधिकार अधिनियम लागू हुआ तो यह हमारे लोकतंत्र में शासन और नागरिक के संबंध को बदलने वाली ऐतिहासिक क्रांति थी। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में सरकार और जनता के रिश्ते को पुनर्परिभाषित करने वाली युगांतकारी घटना थी। इसको लागू होने के दो दशक से अधिक समय के बाद गौर करने की जरूरत है कि यह कानून अपने उद्देश्य में कितना सफल रहा और कौनसी चुनौतियों से घिर गया है।

संविधान के अनुच्छेद-19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के रूप में उभरे इस अधिकार ने आम आदमी को जवाबदेही मांगने का अचूक औजार दिया। लोगों को भरोसा दिया कि सरकारी खजाने की पाई-पाई पर उनका हक है और सरकारी तंत्र सीधे तौर पर जनता के प्रति जवाबदेह है। आरटीआई ने सत्ता के गलियारों में बंद फाइलों को जनता के सामने लाने का बड़ा काम किया। बंद कमरों में चलने वाली शासन व्यवस्था को लोगों के आगे बेपर्दा किया। नतीजे में जानने के हक ने राशन वितरण से लेकर अरबों रुपए के घोटालों को उजागर करने में निर्णायक भूमिका निभाई। इसने लोगों को सिर्फ वोट देने वाले मतदाता से आगे बढकर सजग-सतर्क पहरेदार बना दिया। इसने स्वीकृत बजट व खर्च, सार्वजनिक नीतियों, प्रशासनिक निर्णयों आदि में पारदर्शिता लाने में मदद की। सरकारी तंत्र की मनमानी पर प्रभावी अंकुश लगाया।

पर 21 बरस बाद भी यह कानून गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। लोक सूचना अधिकारी अक्सर धारा 8 व 11 का दुरूपयोग करते हुये सूचना देने से बचने का प्रयास करते हैं। वे आरटीआई के निराकरण के लिये निर्धारित 30 दिन की अधिकतम अवधि में जानकारी नहीं देते या अधूरे / भ्रामक दस्तावेज देकर खानापूर्ति करते हैं। आरटीआई व प्रथम अपील के निपटारे की तय सीमा की अनदेखी करना आम चलन बन चुका है।

2019 में इस कानून में संशोधन कर सूचना आयुक्तों का दर्जा, कार्यकाल व वेतन घटा कर इस अधिकार के संरक्षक सूचना आयोगों की महत्ता कम कर दी गई। आयुक्तों के कार्यकाल व वेतन को आरटीआई एक्ट में निर्धारित प्रावधान से हटा कर सरकार के अधीन कर देने से आयोगों की स्वायत्तता, संस्थागत स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। वहीं, डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून के जरिये धारा 8 (1)(जे) के मूल प्रावधान को खत्म कर व्यक्तिगत गोपनीयता के नाम पर सार्वजनिक महत्व की जानकारी भी छिपाने का औजार नौकरशाही को दे दिया गया है। आरटीआई एक्ट की इस मूल धारा में किये गये आमूलचूल बदलाव ने सार्वजनिक जवाबदेही से जुडे.मामलों में भी व्यक्तिगत जानकारी का बहाना बनाकर सूचना छिपाने का रास्ता खोल दिया है।

केंद्रीय सूचना आयोग व राज्य सूचना आयोगों में लम्बित मामलों का लगातार बढ़ता अंबार ह्यसमय पर न्यायह्ल की संवैधानिक अपेक्षा पर पानी फेर रहा है। आयोगों में करीब 4 लाख अपीलें व शिकायतें लम्बित पड़ी हैं। कई आयोगों में एक मामले के निपटारे में 2 से 4 वर्ष तक का लंबा समय लग रहा है। यह देरी मांगी गई सूचना की प्रासंगिकता को ही खत्म कर दे रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह है समय पर और पर्याप्त संख्या में सूचना आयुक्तों की नियुक्तियां नहीं करना।

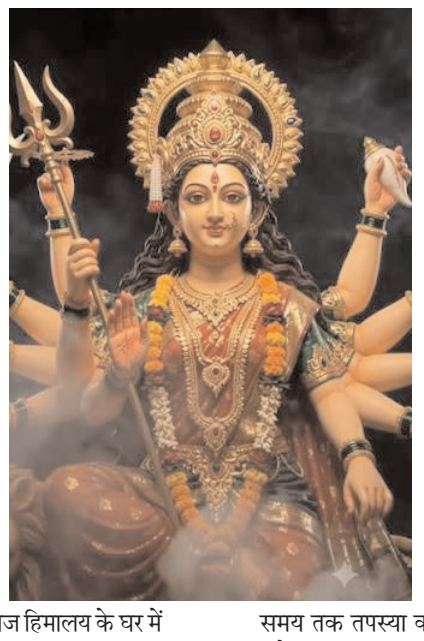
ज्यादातर सरकारें मुख्य सूचना आयुक्त व सूचना आयुक्तों के पद रिक्त होने से पहले नई नियुक्तियों की प्रक्रिया शुरू नहीं करती। नतीजे में ये पद लंबे समय तक खाली रहते हैं। इससे आयोगों में लम्बित मामले बढ़ते जाते हैं। कुछ राज्यों में तो सभी पद रिक्त होने से आयोगों का काम लंबे समय तक ठप रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक को दखल देकर नई नियुक्तियां करने के निर्देश देने पड़े हैं।

नये आयुक्तों के नियुक्त होने तक रिटायर होने वाले आयुक्तों का कार्यकाल बढ़ाने का प्रावधान कर यह समस्या हल की जा सकती है। जैसे कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से केंद्र सरकार एनजीटी के सेवानिवृत्त होने जा रहे सदस्यों का कार्यकाल नई नियुक्तियां होने तक बढ़ा रही है। अब तक सूचना के अधिकार की पहुंच देश की सिर्फ 2 प्रतिशत आबादी तक ही हो पाई है। ग्रामीण क्षेत्रों, महिलाओं, वंचित तबकों व अल्पसंख्यकों का बडा हिस्सा इस अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पा रहा है। इसके प्रति शासन-प्रशासन का उदासीन रवैया भी निराशाजनक रहा है।

नवजीवन के प्रतीक स्त्री शक्ति के नौ रूप

प्रमोद भार्गव

शारदेय नवरात्रों में एक बार फिर हम स्त्री शक्ति के नौ रूपों की पूजा करेंगे। नवरात्र में जो नव उपसर्ग हैं, वे नौ की संख्या के साथ-साथ नूतनता के भी प्रतीक हैं। इस अर्थ में वे परिवर्तन के सूचक हैं। ये रूप-शक्ति, स्त्रीत्व और समृद्धि के प्रतीक भी हैं। इन स्वरूपों की पूजा करते हुए स्त्री रूपी इन देवियों के भव्य रूप हमारी चेतना में उपस्थित रहते हैं। इन्हें शक्ति रूप इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब सृष्टि के सृजन काल में देव पुरूष, दानवों से पराजित हुए तो उन्हें राक्षसों पर विजय के लिए दुर्गा से अनुनय करना पड़ा। एक अकेली दुर्गा ने विभिन्न रूपों में अवतरित होकर अनेक रक्षसों का नाश कर सृष्टि के सृजन को व्यवस्थित रूप देकर गति प्रदान की। प्रतीक रूप में ये रूप अंततः मनुष्य की ही विभिन्न मनोदशाओं के परिष्कार से जुड़े हैं। इन मनोदशाओं को राक्षसी प्रवृत्ति कह सकते हैं, जो मनुष्य की नकारात्मक विकृतियों के भी प्रतीक हैं। इन रूपों के महत्व को जानते हैं।



नवदुर्गा में शैल पुत्री प्रथम दुर्गा मानी जाती हैं। इनके हाथों में त्रिशूल और कमल पुष्प सुशोभित हैं। इनका वाहन वृषभ है। शैल पुत्री अपने पूर्वजन्म में दक्ष प्रजापति की कन्या थीं और इनका नाम सती रखा गया। पिता की इच्छा के विरुद्ध सती ने भगवान शिव से विवाह किया। दक्ष ने एक बार महायज्ञ का आयोजन किया। किंतु इसमें शिव व सती को आमंत्रित नहीं किया। इसे सती ने शिव का अपमान माना और बिना बुलाए ही यज्ञस्थल पर पहुंच गईं। वहां उन्होंने अपने पिता को शिव को आमंत्रित करने के लिए बाध्य किया। किंतु प्रजापति ने शिव का उपहास उड़ाया और उन्हें बुलाने से इनकार कर दिया। तब सती ने क्रोधित होकर यज्ञकुंड में कूंदकर प्राणों की आहुति दे दी। शिव को जब सती के प्राण त्यागने का समाचार मिला तो उन्होंने अपने गणों को भेजकर यज्ञ का विध्वंस करा दिया। बाद में शिव सती के जले शव को कंधे पर लेकर भटकते रहे। पुराणों में उल्लेखित है कि इस दौरान सती के अंग बारह स्थानों पर गिरे। उन्हें बारह ज्योतिर्लिंग की मान्यता प्राप्त है। अगले जन्म में यही सती शैलराज हिमालय के घर में पैदा हुईं और शैलपुत्री कहलाईं। उन्हें ही पार्वती कहा जाता है।

दुर्गा का दूसरा रूप ब्रह्मचारिणी का है, श्वेत वस्त्रधारी ब्रह्मचारिणी के एक हाथ में जपमाला और दूसरे में कमंडल है। ब्रह्मचारिणी का जन्म पर्वतराज हिमालय की पत्नी मैना के गर्भ से हुआ था। पहले इनका नाम शुभ लक्षणों को देखते हुए पार्वती रखा गया। बाद में नारद मुनि ने हिमालय को बताया कि यही पार्वती पूर्व जन्म में सती थीं। इस रहस्य को जानने के बाद पार्वती में शिव को प्राप्त करने की इच्छा जागृत हो गई। इसके लिए देवी ने कठिन तपस्या की। इससे उनका शरीर कृशकाया में बदल गया। तपस्या से तीनों लोकों में हाहाकार मच गया। तब ब्रह्मा ने उनके समक्ष उपस्थित होकर मनचाहा वर मांगने की प्रार्थना की। पार्वती ने शिव को मांगा। ब्रह्मा ने पार्वती को आशीर्वाद तो दिया ही, उनकी काया को भी सुंदर रूप में बदल दिया। यहीं ब्रह्मा ने तप का आचरण करने के कारण ब्रह्मचारिणी का नाम दिया। नवरात्रों के तीसरे दिन दुर्गा के शरीर से नई शक्ति के रूप में चंद्रघंटा की वंदना की जाती है। सिंह पर सवार ये देवी निडरता के साथ सौम्यता के गुणों से भी भरपूर हैं। इनके आभामंडल से अदृश्य शक्ति का विकिरण होता रहता है। इनके शरीर का वर्ण स्वर्ण है। इनके दस हाथ हैं, जिनमें खड्ग, अस्त्र-शस्त्र, बाण आदि विभूषित हैं। देवासुर संग्राम में इनके घंटे की भयानक ध्वनि से सैंकड़ों दैत्य मारे गए थे। इनकी मुद्रा हमेशा युद्ध के लिए तत्पर दिखाई देती है।

दुर्गा का चौथा स्वरूप कूष्मांडा देवी का है। इनका निवास सूर्यलोक में है इसीलिए इनके शरीर की कांति और आभा सूर्य के समान सदैव प्रकाशित रहती है। सृष्टि के संपूर्ण प्राणियों में इन्हीं देवी का आलोक प्रदीप्त है। जब ब्रह्माण्ड का अस्तित्व नहीं था और चारों और अंधेरा था, तब इन देवी ने अपनी मंद मुस्कान द्वारा अंड अर्थात ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति की। इसी कारण इन्हें कूष्मांडा कहा गया। सिंह पर सवार कूष्मांडा अष्ट भुजाधारी हैं। इनके हाथों में कमण्डल, धनुष-बाण, कमल-पुष्प, अमृत-कलश, चक्र गदा और सभी प्रकार की सिद्धियां व जपमाला सुशोभित हैं।

दुर्गा का पांचवां रूप स्कंद माता का है। इनके पुत्र कार्तिकेय का एक नाम स्कंद है इसलिए इन्हें स्कंद माता कहा जाता है। सिंह पर सवार इन देवी की चार भुजाएं हैं। इनके दो हाथों में कमल पुष्प हैं एक हाथ वरदान की मुद्रा में है और दूसरा हाथ पुत्र स्कंद को गोद में लिए है। इस कारण ये पद्मासना देवी भी कहलाती हैं।

इनके बाद छठे दिन देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है। कात्य नामक ऋषि की वंशावली में एक प्रसिद्ध ऋषि कात्यायन हुए हैं। ये दुर्गा के भक्त थे। इस भक्ति से प्रसन्न होकर दुर्गा ने कात्यायन को कोई वर मांगने को कहा। तब महर्षि ने दुर्गा से अपने घर में पुत्री के रूप में जन्म लेने का आग्रह किया। दुर्गा ने यही वरदान दे दिया। कुछ समय बाद जब पृथ्वी पर महिषासुर नाम के असुर का अत्याचार बढ़ गया, तब दुर्गा के तेज से कात्यायन की पत्नी की कोख से देवी कात्यायनी ने जन्म लिया। पुराणों में ऐसा कहा गया है कि इस तेज में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के तेज का भी समावेश है। चार भुजाधारी कात्यायनी का वाहन सिंह है। इनकी चार भुजाओं को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का प्रतीक माना गया है।

दुर्गा के सातवें रूप को देवी कालरात्रि के नाम से जाना जाता है। इनकी काया अमावस्या की गहरी काली रात की तरह काली है। इनके मस्तक पर तीन नेत्र विद्यमान हैं, जो ब्रह्मांड के समान गोल तथा तीन लोकों के प्रतीक हैं। इनके केस घने एवं बिखरे हुए हैं। इनके गले में विद्युत ज्वाला सी प्रकाशित माला पड़ी हुई है। सांस लेते समय इनके नासिका छिद्रों से अग्नि की लपटें निकलती रहती हैं। इनकी सवारी गधा है और ये चार भुजाओं वाली हैं। इनके दो हाथों में तलवार और नुकीला अस्त्र है। जबकि एक हाथ वरदान की मुद्रा में और दूसरा अभय की मुद्रा में है। इन देवी को राक्षस और भूत-प्रेत का विनाश करने वाली देवी माना जाता है।

दुर्गा पूजन के आठवें दिन महागौरी की उपासना की जाती है। महागौरी ने शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए लंबे समय तक तपस्या की। इस समय उन्होंने धूप, आंधी, वर्षा और ठंड के थपेड़े सहे। इस कारण उनका शरीर कृशकाय और काला हो गया। अंत में जब भगवान शिव ने पार्वती रूपी इन महागौरी को पत्नी रूप में स्वीकार किया तब शिव ने अपनी जटाओं से निकलने वाली गंगा की जलधारा से पार्वती का शरीर धोया। इस पवित्र और शुद्ध गंगाजल से पार्वती का मैल धुल गया और उनका शरीर गौर वर्ण की तरह चमकने लगा। इसी कारण वे महागौरी के नाम से जानी जाने लगीं। इनका वाहन बैल है और इनकी मुद्रा अत्यंत शांत एवं सौम्य है। नवरात्रि के अंतिम यानी नौवें दिन सिद्धिदात्री की पूजा करने की परंपरा है। ये सभी रिद्धी-सिद्धियों की स्वामिनी हैं। पुराण कथाओं के अनुसार जब दुर्गा के मन में सृष्टि की रचना का विचार उत्पन्न हुआ, तब उन्होंने शिव को उत्पन्न किया। शिवजी ने उत्पन्न होने पर दुर्गा से सिद्धियों की मांग की। शिव को सिद्धियां प्रदान करने के लिए एक अंश से देवी सिद्धिदात्री का जन्म हुआ। जो सभी प्रकार की सिद्धियों की ज्ञाता थीं। बाद में सिद्धिदात्री ने शिव को 18 प्रकार की दुर्लभ, अमोघ और शक्तिशाली सिद्धियां दीं। इनसे ही शिव में अलौकिक शक्तियों का तेज उत्पन्न हुआ। इसके बाद शिव ने विष्णु की और विष्णु ने ब्रह्मा की उत्पत्ति की। ब्रह्मा को सृष्टि रचना का, विष्णु को सृष्टि पालन का और शिव को सृष्टि के संहार का दायित्व सुपुर्द किया।

ब्रह्माजी को जब नर एवं नारी के अभाव में सृष्टि की रचना असंभव लगने लगी, तब उन्होंने माता सिद्धिदात्री का स्मरण किया। तब सिद्धिदात्री ने प्रकट होकर सिद्धियों द्वारा शिव का आधा शरीर नारी का बना दिया। इस प्रकार शिव आधे नर और आधे नारी के रूप में अर्धनारीश्वर कहलाए। तब कहीं जाकर ब्रह्मा की सृष्टि सृजन संबंधी समस्या का समाधान हुआ। दुर्गा के इन स्त्री रूपों में नारी की इतनी महिमा होने के बावजूद हम हैं कि न केवल स्त्री के साथ दुराचार कर रहे हैं बल्कि कोख में भी स्त्री-भ्रूण की हत्या करने का महापाप कर रहे हैं। सही मायने में नवरात्रि व्रत उपवास का संदेश स्त्री के संरक्षण से जुड़ा है।

समुद्र से आकाश तक : भारत की सामरिक शक्ति की नई कसौटी

राकेश मिश्रा



राष्ट्रीय सुरक्षा की वास्तविक शक्ति केवल लड़ाकू विमानों, युद्धपोतों या आधुनिक हथियारों की संख्या से नहीं मापी जा सकती। निर्णायक प्रश्न यह है कि संकट की घड़ी में उपलब्ध संसाधनों का कितनी तेजी, सटीकता और प्रभावी समन्वय के साथ उपयोग किया जा सकता है। आधुनिक सुरक्षा परिवेश में तकनीकी दक्षता, विश्वसनीय सूचना, प्रशिक्षित मानव संसाधन और विभिन्न संस्थाओं के बीच तालमेल ही किसी देश की सामरिक तैयारी को वास्तविक क्षमता में बदलते हैं।

अक्टूबर 2026 में ओडिशा के पारादीप तट पर आयोजित भारतीय तटरक्षक बल का समुद्री खोज एवं बचाव अभ्यास सारेक्स (रअफ्ए - 26) और राजस्थान के जोधपुर में आयोजित भारतीय वायु सेना का बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास तरंग शक्ति-2026 इसी व्यापक दृष्टिकोण को सामने रखते हैं। दोनों अभ्यासों का कार्यक्षेत्र अलग है लेकिन उनका मूल संदेश समान है- राष्ट्रीय सुरक्षा की सफलता केवल साधनों की उपलब्धता में नहीं बल्कि उनके समन्वित और समयबद्ध इस्तेमाल में निहित है।

समुद्री सुरक्षा : संकट के समय क्षमता की परीक्षा

भारतीय तटरक्षक बल द्वारा 8 अक्टूबर को पारादीप के समुद्री क्षेत्र में आयोजित सारेक्स का उद्देश्य समुद्र में संकटग्रस्त लोगों की खोज, बचाव और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की क्षमता को परखना था। राष्ट्रीय समुद्री खोज एवं बचाव बोर्ड के अंतर्गत आयोजित इस अभ्यास से पहले 7 अक्टूबर को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसमें 30 देशों की भागीदारी और 32 देशों के पर्यवेक्षकों की उपस्थिति ने समुद्री सुरक्षा के अंतरराष्ट्रीय महत्व को रेखांकित किया।

अभ्यास का केंद्र तकनीक-सक्षम खोज एवं बचाव तैयारी और समुद्री सुरक्षा था। इसके अंतर्गत समुद्र में यात्री विमान दुर्घटना तथा मालवाहक जहाज से टक्कर जैसी आपात स्थितियों का अनुकरण किया गया। लगभग 228 लोगों से जुड़ी संकट-परिकल्पना के माध्यम से खोज, बचाव, अग्निशमन, हवाई निकासी और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की प्रक्रियाओं को परखा गया। भारतीय तटरक्षक बल के साथ नौसेना, वायु सेना और अन्य संबंधित एजेंसियों की भूमिका ने यह दिखाया कि समुद्री आपदा से निपटना किसी एक संस्था का काम नहीं बल्कि साझा जिम्मेदारी है।

भारत के लिए यह तैयारी विशेष महत्व रखती है। हिंद महासागर क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री संपर्क का प्रमुख मार्ग है। यहां किसी दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा या बड़े समुद्री संकट के समय शुरूआती सूचना, घटनास्थल की सही पहचान, बचाव संसाधनों की तैनाती और एजेंसियों के बीच स्पष्ट संचार निर्णायक साबित हो सकते हैं।

हालांकि, किसी अभ्यास की सफलता केवल उसके प्रदर्शन से तय नहीं होती। असली कसौटी यह है कि उससे मिली सीख वास्तविक परिस्थितियों में प्रतिक्रिया का समय घटाने, लोगों की जान बचाने और संसाधनों के बेहतर उपयोग में कितनी मदद करती है।

तरंग शक्ति : वायु शक्ति के साथ सहयोग की ताकत

जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित तरंग शक्ति-2026 ने हवाई संचालन और अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग के एक अलग आयाम को सामने रखा। इस दूसरे संस्करण में ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और बांग्लादेश की वायु सेनाओं ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त 32 देशों के पर्यवेक्षकों की उपस्थिति ने अभ्यास के व्यापक सामरिक महत्व को रेखांकित किया। लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हवा में ईंधन भरने वाले विमानों की भागीदारी ने वायु संचालन की विविध क्षमताओं को सामने रखा।

10 अक्टूबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अभ्यास के संदर्भ में कहा, ह्लअलग-अलग देश, अलग-अलग विमान, अलग-अलग अनुभव लेकिन आकाश एक।ह्ल यह कथन बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यासों की मूल भावना को व्यक्त करता है। अलग-अलग देशों की परिचालन प्रक्रियाओं, तकनीकी अनुभवों और प्रशिक्षण पद्धतियों से परिचित होने पर भाग लेने वाली सेनाओं की आपसी समझ और सहयोग की क्षमता बढ़ सकती है।

आधुनिक हवाई अभियानों में केवल विमान की गति या हथियारों की क्षमता पर्याप्त नहीं होती। पायलटों का प्रशिक्षण, लक्ष्य की पहचान, सुरक्षित संचार, हवाई ईंधन की उपलब्धता, सूचना का आदान-प्रदान और बदलती परिस्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ऐसे अभ्यास इन पहलुओं को समझने और परखने का अवसर देते हैं।

फिर भी, बहुराष्ट्रीय अभ्यास को औपचारिक सैन्य गठबंधन या किसी साझा युद्ध प्रतिबद्धता के समान नहीं माना जाना चाहिए। भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का महत्व अपनी परिचालन क्षमता और साझेदार देशों के साथ समझ बढ़ाने में है जबकि रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखना उसकी विदेश और सुरक्षा नीति का महत्वपूर्ण आधार है।

ऑपरेशन सिंदूर और आधुनिक युद्ध की बदलती आवश्यकताएँ

ऑपरेशन सिंदूर ने यह रेखांकित किया कि आधुनिक सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयारी, सटीक योजना, विश्वसनीय सूचना और विभिन्न क्षमताओं के बीच समन्वय कितना आवश्यक है। समकालीन सैन्य अभियानों में तकनीकी साधनों की उपलब्धता के साथ-साथ उनका प्रभावी इस्तेमाल, परिस्थितियों का सही आकलन और समय पर निर्णय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सारेक्स और तरंग शक्ति-2026 को ऑपरेशन सिंदूर का प्रत्यक्ष परिणाम या उससे जुड़ी कोई औपचारिक कड़ी मानना उचित नहीं होगा। हालांकि, तीनों के व्यापक सामरिक संदर्भ में एक साझा सीख दिखाई देती है- प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता, परिचालन तैयारी और समन्वित कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा को अधिक प्रभावी बनाते हैं। आज के सुरक्षा परिवेश में सूचना का विश्लेषण और कार्रवाई का निर्णय लेने के बीच का समय लगातार महत्वपूर्ण हो रहा है। समुद्र में संकटग्रस्त जहाज या विमान की पहचान हो अथवा हवाई अभियान के दौरान बदलती परिस्थितियों का आकलन, समय पर सही निर्णय ही उपलब्ध संसाधनों की उपयोगिता निर्धारित करता है।

भारत के लिए तीन रणनीतिक प्राथमिकताएँ

पहली -संस्थागत समन्वय को मजबूत करना। समुद्री सुरक्षा, हवाई रक्षा और आपदा प्रबंधन में विभिन्न एजेंसियों के बीच स्पष्ट जिम्मेदारियाँ, प्रभावी संचार और संसाधनों का साझा उपयोग आवश्यक है। संयुक्त अभ्यासों से प्राप्त अनुभवों को नियमित प्रशिक्षण और मानक संचालन प्रक्रियाओं में शामिल किया जाना चाहिए। दूसरी -आत्मनिर्भरता के साथ तकनीकी विश्वसनीयता। स्वदेशी रक्षा उत्पादन भारत की दीर्घकालिक सामरिक क्षमता के लिए महत्वपूर्ण है। एलसीए तेजस और एलसीएच प्रचंड जैसे स्वदेशी प्लेटफॉर्म इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण हैं। लेकिन आत्मनिर्भरता का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब उपकरणों की परिचालन उपलब्धता, कलपुर्जों की समयबद्ध आपूर्ति, रखरखाव, तकनीकी उन्नयन और प्रशिक्षित कर्मियों की व्यवस्था भी मजबूत हो। तीसरी -अंतरराष्ट्रीय सहयोग और रणनीतिक स्वायत्तता में संतुलन। बहुराष्ट्रीय अभ्यासों से अनुभव और परिचालन समझ बढ़ती है। भारत को ऐसे सहयोग का लाभ उठाते हुए हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने राष्ट्रीय हितों, स्वतंत्र निर्णय क्षमता और सुरक्षा प्राथमिकताओं को केंद्र में रखना होगा।

प्रदर्शन से आगे : सीख को क्षमता में बदलने की जरूरत

किसी भी सैन्य अभ्यास का मूल्यांकन केवल विमानों की उड़ान, जहाजों की तैनाती या बचाव अभियानों के प्रदर्शन से नहीं होना चाहिए। उसके बाद की समीक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किन प्रक्रियाओं में सुधार की आवश्यकता है, संचार में कहां कठिनाई आई, संसाधनों का उपयोग कितना प्रभावी रहा और किस स्तर पर प्रतिक्रिया का समय घटाया जा सकता है- इन प्रश्नों के व्यवस्थित उत्तर ही अभ्यास को वास्तविक क्षमता-वृद्धि का माध्यम बनाते हैं।

सारेक्स से समुद्री बचाव, संकट प्रबंधन और बहु-एजेंसी समन्वय की सीख मिलती है। वहीं, तरंग शक्ति-2026 हवाई संचालन, अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग और विभिन्न वायु सेनाओं के अनुभवों को समझने का अवसर प्रदान करता है। दोनों अभ्यासों का महत्व तभी स्थायी होगा, जब इनसे प्राप्त अनुभव प्रशिक्षण, तकनीकी सुधार और परिचालन प्रक्रियाओं में दिखाई दें।

न्यू मार्केटः यहां समुद्र मंथन की पौराणिक कथा पर आधारित झांकी तैयार की जा रही

नवरात्रि पर राजधानी में दो हजार से अधिक जगह सजे मां के पंडाल बने आकर्षण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

शारदीय नवरात्रि के पहले दिन रविवार को भोपाल में मां दुर्गा की आराधना के साथ उत्सव की शुरुआत हो गई। शहर में कहीं प्रतिमाएं रात में ही पंडालों तक पहुंच गई थीं तो कहीं रविवार दिनभर माता की अगवानी और स्थापना की तैयारियां चलती रहीं। गोविंदपुरा के अन्ना नगर में प्रतिमा का आगमन भव्य और रोमांच से भरा रहा। राजधानी में 2000 से अधिक स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जा रही हैं। इस बार बड़े पंडालों में धार्मिक स्थलों की प्रतिकृतियां और पौराणिक प्रसंग खास आकर्षण रहेंगे। नवरात्रि के पहले दिन घरों और मंदिरों में घटस्थापना कर मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की गई। देवी मंदिरों में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। उधर,



दुर्गा उत्सव समितियां प्रतिमाओं की स्थापना, पंडालों की सजावट और विद्युत रोशनी के इंतजामों को अंतिम रूप देने में जुटी रहीं। न्यू मार्केट से जंबूरी मैदान तक खास आकर्षण न्यू मार्केटः यहां समुद्र मंथन की पौराणिक कथा पर आधारित झांकी तैयार की जा रही है। नागेश्वर मंदिर की थीम भी पंडाल को खास बनाएगी। विट्ठल मार्केटः यहां गुजरात के सोमनाथ मंदिर की प्रतिकृति तैयार की गई है। जय मां वैष्णो दुर्गा उत्सव का यह पंडाल बड़े



आयोजनों में शामिल है। इसकी तैयारी पर करीब 1.30 करोड़ रुपये खर्च होने की जानकारी समिति के सदस्यों द्वारा दी गई है। जंबूरी मैदानः भेल के जंबूरी मैदान में करीब 55 लाख रुपये की लागत से 85 फीट ऊंचा केदारनाथ धाम का स्वरूप तैयार किया गया है। भोजपाल महोत्सव मेला समिति के इस आयोजन में 11 से 20 अक्टूबर तक निशुल्क प्रवेश की जानकारी दी गई है। दस नंबर मार्केटः यहां दुबई के मिरेकल गार्डन की तर्ज पर पंडाल तैयार किया जा रहा है। फूलों की सजावट, आकर्षक प्रवेश द्वार और भव्य प्रतिमा इसे इस बार के प्रमुख आकर्षणों में शामिल करेंगे। मंदिरों में भी पहले दिन विशेष पूजा नवरात्रि के पहले दिन तलैया स्थित काली माता मंदिर, सोमवारा की कर्फ्यू वाली माता मंदिर और प्लेटिनम प्लाजा स्थित माता मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लाईन लगी रही। घरों में भी कलश स्थापना के साथ नौ दिन की पूजा शुरू हुई। मंदिरों और पंडालों में अगले दिनों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। नौ दिन भक्ति और उत्सव का माहौल नवरात्रि के दौरान राजधानी में पूजा-अर्चना के साथ गरबा और डांडिया के आयोजन भी होंगे। जंबूरी मैदान में भोजपाल गरबा महोत्सव 12 से 18 अक्टूबर तक प्रस्तावित है।

30 करोड़ की लागत से सिक्सलेन होगा कटारा रोड

5किमी लंबी-30 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण किया

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

राजधानी का कटारा रोड 30 करोड़ रुपए से सिक्स लेन बनेगा। यह 5 किलोमीटर लंबा और 30 मीटर चौड़ा होगा। रविवार को हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने पीडब्ल्यूडी, नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान कटारा रोड पर अमलतास चौराहे से भोपाल बायपास तक मार्ग को सिक्स लेन किए जाने के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक शर्मा ने बताया कि 30 करोड़ से 30 मीटर चौड़ी, 5 किलोमीटर लंबे इस सिक्स लेन रोड पर स्ट्रीट लाइट भी लगायी जाएगी। रोड का निर्माण 14 महीने में लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। विधायक शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए बिजली के खंभों की शिफ्टिंग, पेयजल व्यवस्था एवं सीवेज नेटवर्क से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। ताकि, भविष्य में सड़क निर्माण के दौरान किसी



प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। कटारा क्षेत्र का हो रहा विस्तार विधायक शर्मा ने कहा कि कटारा क्षेत्र में तेजी से आबादी का विस्तार हो रहा है। ऐसे में क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप सड़क एवं आधारभूत सुविधाओं का विकास समय की आवश्यकता है। कटारा रोड का सिक्स लेन निर्माण होने से आवागमन को सुगम बनाने तथा यातायात के बढ़ते दबाव को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी। शर्मा ने बताया कि यह मार्ग आगे रापड़िया होते हुए औद्योगिक केंद्र बगरोदा एवं सीआरपीएफ कैंपस से जुड़ेगा। इससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी और स्थानीय नागरिकों सहित इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों को सुविधा होगी। सभी विभाग समन्वय से काम करेंगे विधायक ने कहा कि कटारा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय के साथ कार्य किया जाना आवश्यक है। कटारा रोड का सिक्स लेन निर्माण क्षेत्र की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। पेबलवे फ्लावर सिटी कॉलोनी सीधे कटारा से जुड़ेगी रविवार को विधायक शर्मा वार्ड 85 के पेवलवे कॉलोनी भी पहुंचे। यहां विधायक ने पेवलवे, फ्लावर सिटी आदि कॉलोनियों को कटारा से फोरलेन सड़क निर्माण किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही असनानी स्कूल के पास फोर लेन रोड से जुड़ने में आ रहे व्यवधान को समाप्त कर इस मार्ग के निर्माण के भी निर्देश विधायक शर्मा ने अधिकारियों को दिए है। मंगलवार को एसडीएम कोलार एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी इस मार्ग के निर्माण संबंधी दौरा करेंगे।

मैनिट के खाने की गुणवत्ता पर सवालः गंदे आरओ टैंक, खाना खाकर 12 छात्र बीमार, फूड लाइसेंस भी नहीं मिला

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



राजधानी के मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के हॉस्टल नंबर-10 की मैस में छात्रों को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां खाना खाने के बाद करीब एक दर्जन छात्रों की तबीयत बिगड़ गई। शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मैस की जांच की तो खाना बनाने में दो से तीन बार इस्तेमाल होने वाले तेल और आरओ पानी के टैंक में गंदगी की बात सामने आई। जांच के दौरान मैस का फूड लाइसेंस भी नहीं मिला। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शनिवार को मैस का निरीक्षण कर वहां इस्तेमाल हो रही खाद्य सामग्री के नमूने लिए। इन नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

मैस में जरूरी दस्तावेज भी नहीं मिले जांच के दौरान सिर्फ साफ-सफाई ही नहीं, बल्कि जरूरी दस्तावेजों की कमी भी सामने आई। टीम को मैस का फूड लाइसेंस नहीं मिला। कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र, पेस्ट कंट्रोल और खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण के दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए गए। निरीक्षण में पता चला कि खाना बनाने में इस्तेमाल होने वाले तेल का दो से तीन बार उपयोग किया जाता है। वहीं, आरओ वॉटर टैंक में गंदगी मिली। टीम ने मैस संचालक को साफ-सफाई दुरुस्त करने और व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि मैस से खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। संचालक को साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। छात्रों की तबीयत बिगड़ने की घटना के बाद अब नमूनों की जांच रिपोर्ट महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल, छात्रों के बीमार होने की वजह की पुष्टि जांच रिपोर्ट से ही हो सकेगी।

सीएम का राहुल गांधी पर हमला, बोले-चुनाव आयोग पर आरोप से पहले कांग्रेस इतिहास देखे

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

लोक सभा में नेतार्प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग और चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। रविवार को नरसिंहपुर में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री मोहन याद ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने से पहले अपने इतिहास पर नजर डालनी चाहिए। सीएम ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता के लिए बेचैन हैं। वे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग कर रहे हैं और उन पर देश के साथ गद्दारी जैसे गंभीर आरोप लगा रहे हैं। ऐसे आरोप लगाने से पहले तथ्यों और प्रमाणों को सामने रखना चाहिए। कांग्रेस के इतिहास का उल्लेख करते हुए सीएम यादव ने कहा कि पार्टी ने चुनाव आयोग से जुड़े पदों पर रहे व्यक्तियों को बाद में राजनीतिक अवसर दिए। उन्होंने पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन का उदाहरण देते हुए कहा कि कांग्रेस ने उन्हें भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के खिलाफ



चुनाव मैदान में उतारा था। इसी तरह केपीएस गिल को भी कांग्रेस सरकार के दौरान मंत्री बनाए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसे में कांग्रेस चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का आधार स्पष्ट करे। सीएम ने कहा कि आजादी से पहले देश में करीब 600 रियासतें थीं। आजादी के बाद अनेक राजाओं और महाराजाओं ने राष्ट्रहित में अपने अधिकारों का त्याग किया। इसके विपरीत, कांग्रेस की राजनीति धीरे-धीरे एक परिवार के इर्द-गिर्द केंद्रित होती चली गई। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम लेते हुए कांग्रेस पर परिवार केंद्रित राजनीति करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जब चुनावी प्रक्रिया के तहत केरल में कांग्रेस को राजनीतिक सफलता मिलती है, तब चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर इसी तरह सवाल नहीं उठाए जाते। उन्होंने सवाल किया कि यदि चुनावी प्रक्रिया कांग्रेस की सरकार बनाने में भूमिका निभाती है, तो चुनाव के समय ही आयोग पर सवाल क्यों खड़े किए जाते हैं? उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना अधिकार का हिस्सा है।

315 बोर देशी कट्टा जिन्दा कारतूस सहित जप्त

भोपाल। रेल इकाई भोपाल मे ट्रेना एवं स्टेशनो पर अपराधो की रोकथाम हेतू जीआरपी एवं आरपीएफ की सयुक्त चैकिंग के दोरान पुलिस अधीक्षक महोदय रेल भोपाल अंकित जायसवाल (भापुसे) के निर्देशो के पालन मे व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय रेल भोपाल श्रीमती नीतू डावर, उप पुलिस अधीक्षक महोदय रेल भोपाल महेन्द्र सिंह कुलहारा के निर्देशन पर थाना प्रभारी जीआरपी भोपाल निरी. जहीर खान के कुशल नेतृत्व मे घटित सयुक्त टीम के द्वारा सघन चेकिंग के दौरान आज दिनांक 11.10.26 को ट्रेन 12616 जी टी एक्स के जनरल कोच में एक व्यक्ति यात्रियों से लड़ाई झगडा कर अवैध 315 बोर के देशी कट्टा को दिखाकर यात्रियों में भय उत्पन्न कर रहा था 1105/26 धारा 25 आर्म्स एक्ट का अपराध कायम आरोपी को माननीय न्यायालय पेश किया गया.

शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन विधि-विधान से हुई घटस्थापना

73 अखंड ज्योतियों से जगमगाया दादाजी धाम, मां शैलपुत्री के दिव्य श्रृंगार ने मोहा श्रद्धालुओं का मन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को रायसेन रोड, पटेल नगर स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल दादाजी धाम मंदिर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ 73 अखंड दीप प्रज्ज्वलित किए गए। माता रानी के जयकारों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलकामना के लिए अखंड ज्योति का संकल्प लिया।

मंदिर में विराजमान सिंहवाहिनी मां दुर्गा का नवीन वस्त्रों, लाल चुनरी, आकर्षक आभूषणों एवं पुष्पमालाओं से मनमोहक श्रृंगार किया गया। श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, भोपाल के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव ने बताया कि नवरात्रि के प्रथम दिन पंडित राजेन्द्र पलिया ने यजमान जीवन नामदेव एवं उनकी धर्मपत्नी अवंतिका नामदेव को मां शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। इस दौरान गणेश पूजन, कलश स्थापना, देवी आवाहन, अखंड दीप प्रज्ज्वलन एवं आरती संपन्न हुई।

अखंड ज्योति का विशेष धार्मिक महत्व अध्यक्ष शिवरतन नामदेव ने बताया कि सनातन धर्म में अखंड ज्योति को आस्था, ज्ञान, सकारात्मक ऊर्जा और ईश्वरीय चेतना का प्रतीक माना गया है।

रानी कमलापति-दानापुर, रीवा-रानी कमलापति तथा रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर के बीच स्पेशल ट्रेनों का संचालन

दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व पर भोपाल मंडल होकर अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

आगामी दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल द्वारा अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों के संचालन से भोपाल मंडल के विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है। 1. रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति-दानापुर स्पेशल दिनांक 12 अक्टूबर से 16 नवम्बर 2026 तक प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को रानी कमलापति स्टेशन से दोपहर 14:25 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 09:15 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 01668 दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल दिनांक 13 अक्टूबर से 17 नवम्बर 2026 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को दानापुर स्टेशन से सुबह 11:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 10:50 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में 11-11 फेरे संचालित किए जाएंगे। भोपाल मंडल के अंतर्गत इस ट्रेन का ठहराव रानी कमलापति, भोपाल, संत हिरदाराम नगर, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, नर्मदापुरम एवं इटारसी सहित निर्धारित मार्ग के स्टेशनों पर रहेगा। 2. रीवा-रानी कमलापति-रीवा साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या



02192 रीवा-रानी कमलापति स्पेशल दिनांक 17 एवं 24 अक्टूबर तथा 07 एवं 14 नवम्बर 2026 को प्रत्येक शनिवार को रीवा स्टेशन से दोपहर 12:30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात्रि 21:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 02191 रानी कमलापति-रीवा स्पेशल उक्त तिथियों में प्रत्येक शनिवार को रानी कमलापति स्टेशन से रात्रि 22:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 07:20 बजे रीवा पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में 04-04 फेरे संचालित होंगे। इस ट्रेन का ठहराव विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर एवं सतना स्टेशनों पर रहेगा। 3. रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर-रीवा साप्ताहिक एक्सप्रेस पूजा स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 01704 रीवा-डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल प्रत्येक शनिवार को रीवा स्टेशन से रात्रि 22:50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 15:05 बजे डॉ. अंबेडकर नगर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01703 डॉ. अंबेडकर नगर-रीवा स्पेशल प्रत्येक रविवार को डॉ. अंबेडकर नगर से रात्रि 21:20 बजे प्रस्थान कर अगले दिन दोपहर 13:30 बजे रीवा पहुंचेगी। इस ट्रेन का ठहराव भोपाल मंडल के जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, भोपाल, संत हिरदाराम नगर, सीहोर एवं शुजालपुर सहित निर्धारित मार्ग के स्टेशनों पर रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि त्योहारों के दौरान संचालित इन स्पेशल ट्रेनों का लाभ उठाएं। आरक्षित टिकट रेलवे आरक्षण केंद्रों अथवा ढ्ढक्रष्टढ्ढक्रष्ट की आधिकारिक वेबसाइट से बुक किए जा सकते हैं। ट्रेनों के समय एवं ठहराव की अद्यतन जानकारी के लिए ह्वह्मश्वस्र ऐप, enquiry.indianrail.gov.in अथवा रेल मदद हेल्पलाइन नंबर 139 का उपयोग करें।



स्मृति को मिली नई जिम्मेदारी

यूनिसेफ इंडिया ने सेलिब्रिटी एडवोकेट बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनिसेफ इंडिया ने रविवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार एजेंसी की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। इस नई भूमिका में मंधाना बच्चों और युवाओं के समान अधिकारों और अवसरों की वकालत करने के अपने पूर्व के कार्यों को आगे बढ़ाएंगी। यह नियुक्ति 11 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर की गई, जो लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा, क्षमता और नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, साथ ही उन बाधाओं पर भी जो अभी भी उनके विकल्पों को सीमित करती हैं।

भारत की खेल आइकन और युवा महिलाओं व लड़कियों के लिए रोल मॉडल, मंधाना लड़कियों को खेलने और आगे बढ़ने के लिए समान अवसरों की वकालत करेंगी। वह यूनिसेफ इंडिया के प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहयोग देंगी ताकि किशोरियों को सशक्त बनाया जा सके, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा दिया जा सके और वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें।

मंधाना ने कहा, मैं यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में जुड़कर सम्मानित महसूस कर रही हूं। बचपन में क्रिकेट खेलने ने मुझे सिखाया कि हर सपना एक अवसर से शुरू होता है। मेहनत, दृढ़ संकल्प और प्रोत्साहन से वह अवसर कुछ असाधारण बन सकता है। हर बच्चे और युवा को बड़ा सपना देखने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का अवसर मिलना चाहिए।

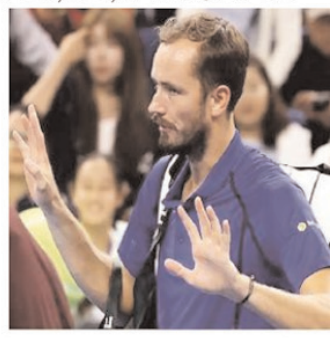
यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर स्मृति मंधाना का यूनिसेफ इंडिया की सेलिब्रिटी एडवोकेट के रूप में स्वागत करते हुए प्रसन्न हैं। स्मृति की यात्रा, एक महत्वाकांक्षी युवा एथलीट से वैश्विक क्रिकेट आइकन तक, लड़कियों को दिखाती है कि जब प्रतिभा को अवसर मिलता है तो क्या संभव है। ऐसे समय में जब भारत दुनिया के सबसे बड़े बच्चों और युवाओं की पीढ़ी का घर है, लड़कियों के अधिकारों, नेतृत्व और कल्याण में निवेश करना किसी देश का सबसे समझदार निवेश है। हम स्मृति के साथ साझेदारी करने की आशा करते हैं ताकि हर लड़की को सीखने, खेलने, नेतृत्व करने और अपनी क्षमता पूरी करने का अवसर मिल सके।

हाल ही में महिला टीम की कप्तान बनी हैं मंधाना

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त और भारत की अग्रणी खिलाड़ियों में से एक मंधाना, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हैं। वह उस टीम का हिस्सा थीं जिसने 2025 में भारत को पहला आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब दिलाया। उसी वर्ष वह पहली महिला बनीं जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,000 से अधिक वनडे रन बनाए और पांच वनडे शतक लगाकर रिकॉर्ड बनाया। 2026 में, वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में अग्रणी रन-स्कोरर बनीं। वह विश्व की शीर्ष रैंक वाली महिला वनडे बल्लेबाज हैं और दो बार आईसीसी महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर रह चुकी हैं। मंधाना ने पहले यूनिसेफ-आईसीसी अभियानों का समर्थन किया है जो लैंगिक समानता और जीवन कौशल पर केंद्रित थे। वह यूनिसेफ के प्रॉमिस टू चिल्ड्रन अभियान की भी समर्थक रही हैं।

दर्शक से जुड़े विवाद के बाद मेदवेदेव ने दर्ज की पहली जीत

शंघाई: रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने दर्शक से जुड़े विवाद के बाद कोर्ट पर वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने शनिवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। चीन ओपन में डिसक्वालिफाई किए जाने के बाद यह उनका पहला मुकाबला था। शंघाई मास्टर्स एटीपी 1000 टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मेदवेदेव को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा। स्ट्रफ ने पहला सेट 6-4 से जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन मेदवेदेव ने दूसरे सेट में 6-4 से वापसी की। निर्णायक तीसरे सेट में रूसी खिलाड़ी ने 6-3 से जीत हासिल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के बाद स्ट्रफ के खिलाफ मेदवेदेव का करियर रिकॉर्ड 10-2 हो गया है। मेदवेदेव को बीजिंग में चीन ओपन के सेमीफाइनल मुकाबले के दौरान नोवाक जोकोविच के खिलाफ खेलते हुए डिसक्वालिफाई कर दिया गया था। घटना तब हुई, जब उनके द्वारा स्टैंड की ओर मारी गई गेंद एक दर्शक की आंख में जा लगी। इस घटना के बाद अधिकारियों ने उन्हें मुकाबले से बाहर कर दिया। घटना के बाद मेदवेदेव ने माफी मांगी थी और कहा था कि यह जानबूझकर नहीं किया गया। बीजिंग टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें मिलने वाली 2.85 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि भी गंवानी पड़ी। शंघाई में स्ट्रफ के खिलाफ मुकाबला उनकी इस घटना के बाद पहली उपस्थिति थी।



बढ़ सकती है सजा

रोनाल्डो को पुर्तगाल महासंघ ने किया अस्थायी निलंबित

नई दिल्ली। पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासन विभाग ने रोनाल्डो के संभावित नियम उल्लंघन की जांच शुरू की है। महासंघ के मुताबिक, मामले में पहले से लागू स्वतः निलंबन के अलावा रोनाल्डो पर अतिरिक्त अस्थायी प्रतिबंध भी लगाया गया है। मामले को तत्काल प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का फैसला किया गया है।



कोच जॉर्ज जीसस से विवाद के बाद छोड़ा था शिविर

रोनाल्डो का विवाद पुर्तगाल के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस के साथ हुआ था। बताया गया है कि नॉर्वे के खिलाफ 2-1 की जीत के दौरान रोनाल्डो को मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला। वह मैच में स्थानापन्न खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करते नजर आए, लेकिन उन्हें खेलने के लिए नहीं बुलाया गया। रोनाल्डो के अनुसार, कोच ने मैच से पहले उन्हें लगभग 30 मिनट खेलने का मौका देने का आश्वासन दिया था। जब ऐसा नहीं हुआ, तो उन्हें लगा कि उनकी बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। रोनाल्डो ने यह भी दावा किया कि जीसस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने का वादा किया था, लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ। इसके बाद दोनों के बीच तनाव बढ़ गया। रोनाल्डो ने डेनमार्क के खिलाफ मुकाबले से पहले ही पुर्तगाल की राष्ट्रीय टीम का प्रशिक्षण शिविर छोड़ने का फैसला कर लिया।

रोनाल्डो ने टीम और समर्थकों से मांगी माफी

विवाद के बाद रोनाल्डो ने एक विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने अपने साथियों और समर्थकों से माफी मांगी। उन्होंने स्वीकार किया कि राष्ट्रीय टीम का शिविर छोड़ने के उनके फैसले के परिणाम हो सकते हैं।रोनाल्डो ने यह भी कहा कि एक आदर्श खिलाड़ी के रूप में उनकी जिम्मेदारी है कि उनके व्यवहार का आकलन सख्ती से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपने फैसले के लिए मिलने वाली सजा स्वीकार करने को तैयार हैं, हालांकि उन्होंने कोच के व्यवहार की आलोचना भी की।

एक से छह महीने तक लग सकता है प्रतिबंध

पुर्तगाल फुटबॉल महासंघ के अनुशासनात्मक नियमों के तहत रोनाल्डो को एक से छह महीने तक के निलंबन का सामना करना पड़ सकता है। इसके साथ उन पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। हालांकि, रोनाल्डो की ओर से गलती स्वीकार करने को अंतिम सजा कम करने का आधार माना जा सकता है। फिलहाल महासंघ ने अंतिम दंड का फैसला नहीं किया है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि पुर्तगाल के कप्तान को कितने समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम घोषित, रचिन की वापसी



वेलिंगटन। भारत के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम का एलान कर दिया गया है। इसमें फिन एलेन, लॉकी फर्ग्यूसन और टिम सीफर्ट की वनडे टीम में वापसी हुई है। वहीं, पिछले महीने कंधे में चोट लगने के कारण टी20 सीरीज से बाहर रहने वाले रचिन रवींद्र 50 ओवरों के इन मैचों के लिए चोट से उबरकर टीम में लौट रहे हैं। न्यूजीलैंड के चयनकर्ताओं ने पांच मैचों की इस वनडे सीरीज के लिए एक विभाजित (स्प्लिट) स्क्वाड का चयन किया है।

वनडे सीरीज का कार्यक्रम

भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों प्रारूपों की सीरीज खेलेगा। टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमें पांच मैचों की वनडे सीरीज में आमने-सामने होंगी। पहला वनडे चार नवंबर को ऑकलैंड में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला सात नवंबर को वेलिंगटन में और तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई (टौरंगा) के बे ओवल मैदान पर खेले जाएंगे।

अंतिम दो वनडे के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को जगह

चयनकर्ताओं ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि तीसरे वनडे के बाद कुछ खिलाड़ी पहले टेस्ट मैच की तैयारी के लिए सीधे वेलिंगटन रवाना हो जाएंगे, जो कि पहले टेस्ट का वेन्यू है। इस व्यवस्था के चलते अंतिम दो वनडे मैचों के लिए सात अन्य खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। टीम के बल्लेबाज मार्क चापमैन चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर हो गए थे, लेकिन उन्हें वनडे टीम में शामिल किया गया है। मार्क चापमैन पिछले महीने यूरोपीय टी20 लीग के दौरान बाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में चोटिल हो गए थे और फिलहाल उबर रहे हैं।

न्यूजीलैंड की वनडे टीमें

पहले तीन वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम (विकेटकीपर), डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, विल यंग, ब्लेयर टिकनर।

आखिरी दो वनडे के लिए टीम: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चापमैन, क्रिस्टियन क्लार्क, जैकब डफी, मैट फिशर, लॉकी फर्ग्यूसन, मिच हे (विकेटकीपर), निक केली, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ब्लेयर टिकनर, विल यंग।

पूर्व बल्लेबाज ने सूर्यवंशी को दी महत्वपूर्ण सलाह

सहवाग बोले- वैभव में दिखती है अपनी झलक, वह सर्वश्रेष्ठ दौर में

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी में अपनी झलक दिखती है। उन्होंने इस युवा सनसनी को भारत के लिए लंबा करियर बनाने पर ध्यान देने की सलाह दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,253 रन बनाने वाले सहवाग ने सूर्यवंशी की तारीफ की।

सहवाग बोले- पहली गेंद से शॉट मारना चाहते हैं वैभव

सूर्यवंशी ने अब तक आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 246 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 186 का रहा है, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रमाण है। अपने जमाने में सबसे आक्रामक बल्लेबाजों में शुमार रहे सहवाग ने कहा, सूर्यवंशी इस समय अपने सर्वश्रेष्ठ दौर में हैं और उनकी सोच कुछ हद तक मेरी जैसी है। वह पहली गेंद से ही बड़े शॉट खेलने के इरादे से उतरते हैं। अब यह देखना अहम होगा कि उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका कब मिलता है और वह कितने मैच खेलते हैं।

प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है

सहवाग ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी शीर्ष स्तर के क्रिकेट में खेलने के लिए पर्याप्त प्रतिभाशाली है, तो उसकी उम्र को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आयु वर्ग के टूर्नामेंट में उम्र के नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन आईपीएल या भारतीय टीम में खेलने के दौरान प्रदर्शन ही सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने कहा, आप अगर किसी आयु वर्ग की प्रतियोगिता में खेल रहे हैं, तो नियमों के मुताबिक आपकी उम्र होनी चाहिए। अंडर-19 में खेल रहे हैं, तो आपकी उम्र 19 साल से कम होनी चाहिए। लेकिन जब आप आईपीएल या भारत के लिए खेलते हैं, तो उम्र मायने नहीं रखती। 38 या 40 साल के विराट कोहली खेल रहे हैं और 15 साल



कप्तान गिल को जमकर सराहा

वनडे विश्व कप 2011 के विजेता सहवाग ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल की भी तारीफ की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में 30 सितंबर को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में गिल की 133 गेंदों पर 223 रन की पारी का उल्लेख करते हुए कहा, इन दिनों कई खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनमें से एक शुभमन गिल हैं, जो बेहतरीन खेल दिखा रहे हैं। वह भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान भी हैं। उन्होंने इंग्लैंड में 700 से ज्यादा रन बनाकर सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा और हाल ही में वनडे में अपना दूसरा दोहरा शतक भी लगाया। ऐसा करना आसान नहीं है। भारत के 2025 के इंग्लैंड दौरे पर गिल ने पांच टेस्ट मैचों में कुल 754 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने गावस्कर के 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए गए 732 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। सहवाग का मानना है कि अगर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण मजबूत बना रहता है, तो टीम के पास 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप को जीतने का अच्छा मौका होगा। उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बताते हुए कहा कि विश्व कप में गेंदबाजी आक्रमण का मजबूत प्रदर्शन खिताबी सफलता की राह आसान कर सकता है। सहवाग ने कहा, हमारे तेज गेंदबाजों में बुमराह हैं, जो हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं। अगर विश्व कप में हमारा गेंदबाजी आक्रमण मजबूत रहता है, तो हम खिताब जीत सकते हैं।



कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026

13 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर रहा भारत

अहमदाबाद, एजेंसी। भारत ने कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 13 पदक अपने नाम किए और पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। शनिवार को अहमदाबाद के वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण, पांच रजत और पांच कांस्य पदक जीते। घरेलू मैदान पर भारतीय खिलाड़ियों ने स्नूकर, इंग्लिश बिलियर्ड्स और अन्य क्यू स्पोर्ट्स स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पीटी उषा की मौजूदगी में पदक समारोह

इस चैंपियनशिप का आयोजन एपेक्स स्पोर्ट्स प्रमोशन ने किया, जबकि बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडियामेजबान रहा। प्रतियोगिता को वर्ल्ड कॉन्फेडरेशन ऑफ बिलियर्ड्स स्पोर्ट्स और कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की मान्यता प्राप्त थी। पदक वितरण समारोह में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

आदित्य मेहता ने स्नूकर में जीता स्वर्ण

भारत के अभियान की अगुवाई आदित्य स्नेहल मेहता ने की, जिन्होंने पुरुष स्नूकर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। फाइनल में उन्होंने अपने ही देश के ध्वज हरिया को 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस स्पर्धा में हरिया को रजत पदक मिला, जबकि भारत के लक्ष्मण सिंह रावत और श्रीलंका के मोहम्मद तह इरशाद ने कांस्य पदक जीते।



अनुपमा और रेयान ने भी जीते स्वर्ण

महिला इंग्लिश बिलियर्ड्स स्पर्धा में अनुपमा रामचंद्रन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने फाइनल में भारतीय खिलाड़ी रेवन्ना उमादेवी को 1-0 से हराया। उमादेवी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस स्पर्धा में ग्रेट ब्रिटेन की मैरी रॉबर्टा मैके और ऑस्ट्रेलिया की जूली वॉटसन ने कांस्य पदक जीते।पुरुष इंग्लिश बिलियर्ड्स में रेयान रज़मी ने भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक जीता।

144 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप में 40 से अधिक देशों के 144 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चार दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में इंग्लिश बिलियर्ड्स, स्नूकर, हेयबॉल, 10-बॉल पूल और ब्लैकबॉल की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की गईं। यह पहली बार था जब बहु-विषयक कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन भारत में किया गया।

शताब्दी समारोह का भी बनी हिस्सा

यह प्रतियोगिता बिलियर्ड्स एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया के शताब्दी समारोह का प्रमुख हिस्सा भी रही। भारत के खिलाड़ियों ने घरेलू मैदान पर कई स्पर्धाओं के फाइनल में जगह बनाकर और पदक जीतकर देश की मजबूत स्थिति को रेखांकित किया। कुल 13 पदकों के साथ भारत का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय क्यू स्पोर्ट्स में देश की बढ़ती उपस्थिति और प्रतिस्पर्धी क्षमता को दर्शाता है।

'रग-रग में क्रिकेट' का विमोचन, गावस्कर ने चयनकर्ता और कोच के रूप में जगदाले के योगदान को सराहा

क्रिकेट के लिए समर्पित हैं संजय जगदाले ऐसे लोग कम मिलते हैं : सुनील गावस्कर

एक सत बुलेटिन, इंदौर



पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि संजय जगदाले ने खिलाड़ी, चयनकर्ता और कोच सहित विभिन्न भूमिकाओं में क्रिकेट की सेवा की है। उन्होंने कई प्रतिभाओं को निखारा और उनके खेल में सुधार कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया। क्रिकेट के प्रति जगदाले का समर्पण उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। गावस्कर रविवार को इंदौर में खेल पत्रकार एवं लेखक किरण वाईकर द्वारा जगदाले पर लिखी पुस्तक 'रग-रग में क्रिकेट' के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। गावस्कर ने कहा कि क्रिकेट की सेवा केवल बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण तक सीमित नहीं है। चयनकर्ता और कोच के रूप में भी खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। संजय जगदाले ने विभिन्न भूमिकाओं में इसे साबित किया है। उन्होंने कहा कि जगदाले से उनकी दोस्ती काफी पुरानी है और दोनों ने साथ क्रिकेट खेला है। गावस्कर ने कहा कि मैदान पर बल्ले और गेंद के अलावा भी कई तरह के संघर्ष होते हैं। कई बार खिलाड़ी मैदान पर एक-दूसरे से उलझ जाते हैं, लेकिन जगदाले ने मैदान के भीतर और बाहर अपना सौम्य स्वभाव बनाए रखा। उन्होंने कहा कि कई क्रिकेटर खेल के बाद दूसरे व्यवसायों में चले जाते हैं, लेकिन जगदाले आज भी क्रिकेट के लिए समर्पित हैं। ऐसे लोग बहुत कम मिलते हैं। संजय जगदाले ने कहा कि युवा अवस्था में सुनील गावस्कर और सचिन तेंदुलकर ने उन्हें काफी प्रभावित किया। उन्होंने बताया कि गावस्कर को बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने स्लिप में क्षेत्ररक्षण के दौरान करीब से देखा था। जगदाले ने सचिन तेंदुलकर से जुड़ा संस्मरण साझा करते हुए कहा कि सचिन जब 15 वर्ष के थे, तब एक क्रिकेट शिविर में इंदौर आए थे। उन्हें खेलते देखकर ही अंदाजा हो गया था कि वह भविष्य में बड़ा नाम कमाएंगे। कार्यक्रम का संचालन सुनील दुधाले ने किया। पुस्तक के लेखक किरण वाईकर ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए।

ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया जाएगा



एक सत बुलेटिन, मुरैना

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत मुरैना जिले में निष्पक्ष और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए ईवीएम और वीवीपैट वेयरहाउस का आगामी मासिक निरीक्षण किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों को इस निरीक्षण प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के तय नियमों और निर्देशों के अनुपालन में मुरैना जिले में स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का नियमित मासिक निरीक्षण आयोजित किया जा रहा है। यह निरीक्षण 12 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11 बजे नवीन ईवीएम वेयरहाउस, ए.बी. रोड, मुरैना में किया जाएगा।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई सूचना जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला मुरैना ने जिले के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों एवं सचिवों से विशेष अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति वेयरहाउस में सुनिश्चित करें। यह संपूर्ण निरीक्षण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशों के तहत पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जाएगा, ताकि मतदान मशीनों की सुरक्षा और रख-रखाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों को आश्वस्त किया जा सके।

अंबाह उपजेल में दिव्यांगता परीक्षण एवं पहचान शिविर आयोजित 8 बंदियों का किया गया परीक्षण



एक सत बुलेटिन, मुरैना

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशानुसार तथा सामाजिक न्याय विभाग, मुरैना के उपसंचालक एवं डिप्टी कलेक्टर आर.के. सिन्हा के मार्गदर्शन में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं जिला दिव्यांग मेडिकल बोर्ड, मुरैना द्वारा अंबाह उपजेल में दिव्यांगता परीक्षण एवं पहचान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों में संभावित दिव्यांगता की पहचान कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय जांच एवं पुनर्वास सेवाओं से जोड़ना था। शिविर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र एवं जिला दिव्यांग मेडिकल बोर्ड की विशेषज्ञ टीम द्वारा बंदियों का आवश्यकतानुसार परीक्षण एवं प्रारंभिक मूल्यांकन किया गया। इस दौरान शारीरिक, श्रवण, दृष्टि, मानसिक एवं बौद्धिक सहित विभिन्न प्रकार की संभावित दिव्यांगताओं की पहचान के लिए आवश्यक परीक्षण किए गए। शिविर में कुल 8 बंदियों का परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान सभी 8 बंदियों में दिव्यांगता के लक्षण अथवा संभावना पाए जाने पर उन्हें आगे की चिकित्सकीय जांच एवं दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किए जाने की प्रक्रिया के लिए चिह्नित किया गया। साथ ही, उन्हें नियमानुसार दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र तथा आवश्यक पुनर्वास सेवाओं से जोड़ने के संबंध में मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। शिविर में अंबाह उपजेल अधीक्षक श्री रफी हुसैन सहित चिकित्सकीय दल एवं पुनर्वास विशेषज्ञ उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में जेल प्रशासन तथा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, मुरैना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि दिव्यांगता की समय पर पहचान एवं समुचित मूल्यांकन से संबंधित व्यक्तियों को उनकी आवश्यकतानुसार पुनर्वास सेवाएं, सहायक उपकरण, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र तथा शासन की विभिन्न दिव्यांगजन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता मिलती है। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र द्वारा जिले के विभिन्न संस्थानों एवं क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार ऐसे शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि दिव्यांगता से संबंधित जरूरतमंद व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सेवाओं एवं सुविधाओं से लाभान्वित किया जा सके।

डिलिवरी के बिगड़ी युवती की तबीयत, मौत, केस दर्ज

इन्दौर। इलाज के दौरान एक बीस वर्षीय युवती की मौत पर परिजनों ने अस्पताल और डाक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते मामला दर्ज कराया है। मृतका का नाम नैना वंशकार है उसकी डिलीवरी के बाद तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने महिला का पोस्टमार्टम करा मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के पति आजाद ने पुलिस को बताया कि 8 सितंबर को नैना की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। वे उसे प्रकाश चंद्र सेठी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टर नहीं मिले। इसके बाद वे एमटीएच अस्पताल गए। वहां भी ठीक से उपचार नहीं मिलने के चलते नैना को राजमोहल्ला स्थित ऑरेंज अस्पताल में भर्ती कराया। ऑरेंज अस्पताल में डिलीवरी के दौरान नैना ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई और अगले दिन उसे अरविंदो अस्पताल भेज दिया। यहां 10 तारीख की अलसुबह नैना की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मामले में परिजन पहले बाणगंगा थाने पहुंचे। वहां से मामला दूसरे थाने का होने की बात कही गई। इसके बाद परिजन मल्हारगंज और रावजी बाजार थाने भी गए। जिसके बाद बाणगंगा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया और पोस्टमार्टम कराया। अस्पताल में डॉक्टरों ने लापरवाही से ऑपरेशन किया, जिसके कारण नैना को ज्यादा ब्लीडिंग होने लगी थी।

इंदौर में नवरात्रि की धूम, मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

बिजासन माता मंदिर में लगी कतारें, गरबा पंडालों में आस्था के साथ दिखेगी थीम की झलक, साकेत नगर में कॉमिक्स शैली में श्लोक

एक सत बुलेटिन, इंदौर



शहर में रविवार से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत धूमधाम से हुई। सुबह से ही देवी मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। गरबा मंडलों ने जुलूस के साथ देवी प्रतिमाओं को पंडालों तक पहुंचाया और शुभ मुहूर्त में स्थापना की। घरों में भी घट स्थापना कर भक्तों ने मां दुर्गा की आराधना शुरू की। शहर के बाजारों में पूजन सामग्री, फल और देवी प्रतिमाओं की दुकानें सजी रहीं।

नवरात्रि के दौरान शहर के मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे, वहीं विभिन्न स्थानों पर गरबा, डांडिया और पारंपरिक सांस्कृतिक आयोजन आकर्षण का केंद्र रहेंगे। प्राचीन बिजासन माता मंदिर में रविवार सुबह से श्रद्धालुओं की कतारें लगीं। मंदिर परिसर के सामने विशेष अनुष्ठान भी शुरू हुए। नवरात्रि के दौरान मंदिर रात में भी खुला रहेगा। टेकरी के पास पारंपरिक मेले में भी लोगों की आवाजाही शुरू हो गई है। कई श्रद्धालु घर से उपवास का भोजन लेकर उद्यान में बैठकर प्रसाद ग्रहण करते नजर आए। कुछ संगठनों ने भक्तों के लिए पेयजल और छाछ की व्यवस्था भी की है गरबा पंडालों में आस्था के साथ दिखेगी रचनात्मकता बिजासन माता मंदिर के अलावा अन्नपूर्णा मंदिर, मां कालका मंदिर, नैनोद वाली माता और प्राचीन हरसिद्धि मंदिर में भी नौ दिनों तक विशेष पूजन-अनुष्ठान होंगे। शहर के गरबा पंडालों को अलग-अलग थीम पर सजाया गया है। साकेत नगर के गरबा आयोजन में नई पीढ़ी को आस्था से जोड़ने के लिए कॉमिक्स शैली में श्लोक लिखे गए हैं। वहीं, मां कनकेश्वरी देवी गरबा महोत्सव में कोलकाता के एक मंदिर की प्रतिकृति तैयार की गई है। यहां पारंपरिक गीतों पर ही गरबा होगा और फिल्मी गानों पर प्रतिबंध रखा गया है।

मध्यप्रदेश में नशे के अवैध कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, 1.52 करोड़ की संपत्ति जब्त

एक सत बुलेटिन, भोपाल/इंदौर



मध्यप्रदेश पुलिस ने अलीराजपुर और नरसिंहपुर जिले में मादक पदार्थों की अवैध खेती और तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 1 करोड़ 52 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। अलीराजपुर में दो खेतों से गांजे के 2,040 पौधे बरामद किए गए, जबकि नरसिंहपुर में 500 ग्राम स्मैक जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, अलीराजपुर जिले के आंबुआ थाना क्षेत्र में चार थानों की पुलिस और साइबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर दो खेतों से गांजे के पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 20 क्विंटल 79 किलोग्राम और अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है। दोनों मामलों में दो आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए हैं। नरसिंहपुर जिले में 'ऑपरेशन ईगल क्लॉ' के तहत पुलिस ने सांकल रोड क्षेत्र में कार्रवाई कर दो आरोपियों से क्रमशः 270 और 230 ग्राम, कुल 500 ग्राम स्मैक जब्त की। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र से कथित मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार किया गया। इस मामले में कुल तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन सहित करीब 52 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कथित सप्लाई नेटवर्क, आपराधिक रिकॉर्ड, संपत्ति और वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रदेश में मादक पदार्थों की अवैध खेती, तस्करी और बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस स्पर्धा में रित्विक ने आदित्य को 3-2 से हराया, अनन्या ने तनिष्का को 3-1 से दी शिकस्त

पंचकूला। दिल्ली के रित्विक गुप्ता और तमिलनाडु की अनन्या मुरलीधरन ने दूसरी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंडर-17 वर्ग में खिताब जीत लिए। रविवार को ताऊ देवी लाल इंडोर हॉल में खेले गए फाइनल में रित्विक ने पश्चिम बंगाल के आदित्य दास को 3-2 और अनन्या ने कर्नाटक की तनिष्का कालभैरव को 3-1 से हराया।रित्विक गुप्ता और अनन्या मुरलीधरन बने अंडर-17 चैंपियन रित्विक ने शुरुआती दो गेम 12-10, 14-12 से जीते, लेकिन आदित्य ने अगले दो गेम 11-8, 11-6 से जीतकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में रित्विक ने 11-2 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। बालिका वर्ग के फाइनल में अनन्या ने पहला गेम 11-6 से जीता। तनिष्का ने दूसरा गेम 11-3 से जीतकर वापसी की, लेकिन अनन्या ने तीसरा गेम 12-10 और चौथा 11-8 से जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया।

सेमीफाइनल में भी दिखाया दम

रित्विक ने सेमीफाइनल में हरियाणा के दुकलान वत्सल को 11-5, 11-2, 11-5 से हराया। आदित्य ने रिषान चट्टोपाध्याय को 3-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। क्वार्टर फाइनल में रित्विक ने महाराष्ट्र के शौरेन सोमन को 3-0 और आदित्य ने पंजाब के साहिल रावत को 3-2 से हराया था।

पुलिस प्रशिक्षण केंद्र तिघरा में पौधों के संरक्षण एवं वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

वृक्षारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा भी आवश्यक

एक सत बुलेटिन, मुरैना

पितृपक्ष की समाप्ति पर पितृमोक्ष अमावस्या एवं विश्व प्रवासी पक्षी दिवस के अवसर पर 10 अक्टूबर तथा शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर 11 अक्टूबर 2026 को सुजागृति समाजसेवी संस्था, मुरैना द्वारा पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण तथा पूर्व में रोपित पौधों की देखभाल एवं सुरक्षा के लिए विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत ग्वालियर के तिघरा स्थित पुलिस प्रशिक्षण केंद्र परिसर में संस्था द्वारा पूर्व में रोपित लगभग 3,000 पौधों की साफ-सफाई, सिंचाई एवं संरक्षण संबंधी कार्य किए गए। इन पौधों में गुग्गल, शतावरी और सहजन सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे शामिल हैं। अभियान के दौरान नए पौधों का रोपण भी किया गया तथा उनके समुचित विकास और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। संस्था के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन ने कहा कि वृक्षारोपण जीवन, पर्यावरण एवं पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। जितना आवश्यक पौधों का रोपण करना है, उतना ही जरूरी उनकी नियमित देखभाल, साफ-सफाई और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। वर्षा ऋतु की समाप्ति के बाद पौधों की विशेष देखभाल आवश्यक हो जाती है, ताकि उन्हें फफूंद, कीटों, दीमक तथा जड़ों के सड़ने जैसी समस्याओं से सुरक्षित रखा जा सके। विशेष रूप से गुग्गल के पौधों को दीमक से बचाने के लिए समय पर आवश्यक उपाय करना जरूरी है। अभियान के दौरान तकनीकी सहयोग प्रदान करते हुए रेंज ऑफिसर गजाधर प्रसाद शाक्य ने बच्चों एवं युवाओं को पौधों की देखभाल, साफ-सफाई, सिंचाई तथा पौधरोपण की उचित विधियों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने मौके पर व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए बताया कि पौधों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, उनकी नियमित सिंचाई करने तथा बेहतर वृद्धि के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने से पौधों को सुरक्षित एवं स्वस्थ रखा जा सकता है। इस कार्य में श्री राजाराम का भी सहयोग रहा। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राजा बाबू सिंह के निर्देशन तथा तिघरा के पुलिस अधीक्षक अखिलेश रेनवाल के सहयोग से सुजागृति समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष जाकिर हुसैन के नेतृत्व में संचालित किया गया। श्री जाकिर हुसैन ने बताया कि पुलिस प्रशिक्षण केंद्र परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए हैं, जो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इन पौधों से परिसर में हरित क्षेत्र का विस्तार होगा तथा औषधीय एवं अन्य उपयोगी संसाधन उपलब्ध होने के साथ स्थानीय तापमान को नियंत्रित करने और वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहायता मिलेगी। विविधता के संरक्षण तथा पक्षियों सहित अन्य जीव-जंतुओं के लिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



भगवान अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

भोपाल उत्सव मेले के 34वें संस्करण का भूमि-पूजन, आयोजन की तैयारियों को मिलेगी गति

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



टीटी नगर स्थित दशहरा मैदान में 34वें भोपाल उत्सव मेले की तैयारियों का विधिवत आगाज हो गया। मेले का भूमि-पूजन वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ किया गया। भोपाल उत्सव मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल ने भूमि-पूजन कर मेले के सफल, निर्विघ्न और शांतिपूर्ण आयोजन की कामना की। विद्वान पुरोहित पंडित पुरुषोत्तम शास्त्री के मार्गदर्शन में पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान गेती से गड्ढा खोदकर बल्ली गाड़ी गई। भूमि-पूजन के साथ ही मेला परिसर में निर्माण और अन्य तैयारियों को गति मिलेगी। कार्यक्रम में भोपाल सांसद आलोक शर्मा, राज्य मंत्री कृष्णा गौर, विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय और पार्षद आरती अनेजा मौजूद रहीं। इस अवसर पर समिति के महामंत्री सुनील जैनाविन, अजय सोगानी, अनुपम अग्रवाल, शैलेन्द्र निगम, ओमप्रकाश खुराना, वीरेंद्र जैन श्रीजी, नारायण सिंह कुशवाहा, डॉ. योगेंद्र मुखरैया, डॉ. महेश गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल (गोल्डन), श्याम मंगल, सोनू भाभा, राजकुमार जौहरी, कमल जैन श्वेता, प्रह्लाद दास अग्रवाल, राजेश जैन, संजय मेढ़तिया, चंद्रशेखर सोनी, विजय अग्रवाल, मजेन्द कपूर,परमजीत सिंह बेदी,विनोद चौधरी, राजू अनेजा और संदीप सिंह सूरी, सागर सूरी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी तथा सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समिति के महामंत्री सुनील जैनाविन ने बताया कि भोपाल उत्सव मेले में भूमि-पूजन की परंपरा के बाद तैयारियों और निर्माण कार्यों को गति दी जाती है। मेला पिछले 33 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहा है और इस बार भी लोगों को मनोरंजन, खरीदारी और सांस्कृतिक गतिविधियों का आकर्षक संगम देखने को मिलेगा। मेले में हस्तशिल्प, घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के साथ लजीज व्यंजनों के फूड स्टॉल लगाए जाएंगे। करीब 500 से 600 प्रतिष्ठानों के स्टॉल पर विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री होगी।

बच्चों और युवाओं के लिए सुनामी, रेंजर, डबल डिस्क और मेरी-गो-राउंड जैसे रोमांचक झूले आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मेले में प्रतिदिन स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही साप्ताहिक लकी ड्रॉ, चारों प्रवेश द्वारों पर भव्य स्वागत द्वार, आकर्षक मंच और पारंपरिक सेल्फी जोन तैयार किए जाएंगे। आगंतुकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मेला परिसर में आपातकालीन स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ हेल्थ चेकअप की व्यवस्था भी रहेगी।

एम्स भोपाल को एनएबीएच की पूर्ण मान्यता मिली

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



अस्पताल की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा के मानकों पर खरा उतरने के मानदंड को लेकर एम्स भोपाल को राष्ट्रीय अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) द्वारा पूर्ण प्रत्यायन की मान्यता दी गयी है। एम्स भोपाल के लिए पूर्ण प्रत्यायन की मान्यता अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मान्यता एम्स भोपाल की उच्च गुणवत्ता, सुरक्षित और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाएं देने के प्रति समर्पण को साबित करती है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के अन्तर्गत पहले चरण में देश में स्थापित होने वाले छह एम्स में से एम्स भोपाल पहला संस्थान है जिसे एनएबीएच की पूर्ण प्रत्यायन मान्यता मिली है।

यह उल्लेखनीय है कि यह प्रत्यायन मान्यता 23 सितंबर 2030 तक जारी रहेगी। यह संस्थान की सभी विशेषज्ञताओं और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के सभी 1,457 अस्पताल बिस्तरों को कवर करता है। आम मरीजों के लिए इसका अर्थ है कि अस्पताल की सेवाएं निर्धारित राष्ट्रीय मानकों पर परखी जा चुकी हैं।

एम्स भोपाल ने जुलाई 2025 में एनएबीएच के साथ पंजीकरण कराया था। इसके बाद एनएबीएच के पांच वरिष्ठ और अनुभवी मूल्यांकनकर्ताओं की टीम ने संस्थान का भौतिक मूल्यांकन किया था। इस टीम ने अस्पताल के बुनियादी ढांचे, चिकित्सकीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं, गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों और मरीज सुरक्षा व्यवस्थाओं के विस्तृत मूल्यांकन के अलावा विभिन्न विभागों के स्वास्थ्य कर्मियों से भी बातचीत की। इसके साथ ही विशेषज्ञताओं और उनके अंतर्गत आने वाली विशिष्ट सेवाओं का मूल्यांकन भी किया गया। इसके बाद एनएबीएच के निर्धारित मानकों तथा वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन मानदंडों के आधार पर अंक दिए गए। एनएबीएच द्वारा इन रिपोर्टों को स्वीकार किए जाने के बाद संस्थान को पूर्ण प्रत्यायन प्रदान किया गया।

एक दर्जन जिलों के कलेक्टर बदलने की तैयारी 2017 बैच के अफसरों को मिल सकती है कमान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



प्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल जल्द हो सकता है। सरकार 10 से ज्यादा जिलों के कलेक्टर बदलने की तैयारी में है। प्रस्तावित बदलाव में ऐसे जिलों को शामिल किया गया है, जहां लंबे समय से पदस्थ कलेक्टरों को हटाकर नए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जा सकती है। माना जा रहा है कि इस बार 2017 बैच के बचे हुए आईएएस अधिकारियों को भी जिलों की कमान मिल सकती है। प्रशासनिक स्तर पर जिन जिलों के कलेक्टरों को बदले जाने की चर्चा है, उनमें हरदा, नर्मदापुरम, सीहोर, बालाघाट, पांढुर्णा, मंदसौर, सिंगरौली, नीमच, खंडवा, पन्ना और जबलपुर शामिल हैं। इनके अलावा कुछ और जिलों में भी बदलाव किया जा सकता है। हालांकि, अंतिम सूची मुख्यमंत्री स्तर पर चर्चा के बाद ही तय होगी। सरकार की संभावित सूची में 2017 बैच के उन आईएएस अधिकारियों के नाम प्रमुखता से शामिल किए जा सकते हैं, जिन्हें अभी तक कलेक्टर के रूप में लंबे समय की जिम्मेदारी नहीं मिली है। इससे प्रशासनिक फेरबदल में वरिष्ठता और अनुभव के साथ नए अधिकारियों को जिलों की कमान देने का संतुलन बनाया जा सकता है। कलेक्टरों के साथ कुछ संभागों में कमिश्नर स्तर पर भी बदलाव हो सकता है। जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में नए कमिश्नर की पदस्थापना की चर्चा है। इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) के सीईओ परीक्षित झाड़े को भी बदले जाने की चर्चा है। वहीं प्रशासनिक फेरबदल में मंत्रालय और राजभवन स्तर पर भी कुछ पदों पर बदलाव की संभावना है।

जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय मेहर ने गांव–गांव पहुंचकर जाना क्षेत्रवासियों का हाल

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय मेहर ने बीते शनिवार,रविवार को अपने भोपाल जिला पंचायत क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर क्षेत्रवासियों का हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर ग्रामीण जनों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की ग्रामीण जनों ने उन्हें बिजली विभाग की समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि बिजली विभाग द्वारा पिछले कई दिनों से क्षेत्र के गांवों में लोड सेटिंग के नाम पर रात-रात भर कई घंटों अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। उन्होंने बिजली की समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया कि आपकी समस्याओं का मैं जल्द समाधान करवाने का प्रयास करूंगा और संबंधित बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बात करूंगा। इसी के साथ उन्होंने क्षेत्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर ग्रामीणों से संवाद किया। गौरतलब है कि विनय मेहर ने ग्राम डुंगरिया खितवास सोहाया,हिंगोनी, करारिया,भूरी पठार, रानी खजूरी, दोजियाई, सेमरी एवं मेंगरा कला सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों से क्षेत्र की स्थिति स्थानीय समस्याओं और जनहित से जुड़े विषयों पर चर्चा की ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों का गांव-गांव पहुंचकर लोगों से सीधा संवाद करना महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे ग्रामीणों को अपनी बात रखने का मौका मिलता है और क्षेत्र की समस्याओं को समझने में मदद मिलती है। क्षेत्र के कई जागरूक ग्रामीणों ने बताया कि विनय मेहर आए दिन ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे करते हैं और क्षेत्रवासियों से जुड़ाव और मेल मुलाकात की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है।

कलेक्शन एजेंट पर जानलेवा हमला करने वाले को सात साल की जेल

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत ने साल 2025 की 3 अगस्त को गाड़ी के लोन की किस्त अदा करने को लेकर हुए विवाद के दौरान फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट पर छुरी से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी दिनेश अहिरवार पिता राजकुमार अहिरवार (21) और भारत चिढ़ार पिता रकसी लाल चिढ़ार (37) निवासी लोहारी मोहल्ला वार्ड नंबर 25 सिटी कोतवाली विदिशा को सुनवाई पूरी होने के बाद दोषी करार देते हुए सात साल के कठोर कारावास और पाच-पांच सौ रूपए के जुर्माने की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। अभियोजन से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी जाकिर खान एक निजी फाइनेंस कंपनी में कलेक्शन एजेंट था। आरोपी दिनेश अहिरवार छह माह से लोन के बकाया तीस हजार रुपए नहीं चुका रहा था। 3 अगस्त 2025 को शाम हमीदिया रोड़ पर फरियादी जाकिर खान दोस्तों के साथ खड़ा था। आरोपी दिनेश भी वहां पर पहुंचा। जाकिर खान ने दिनेश अहिरवार से लोन की बकाया राशि की किस्त अदा करने का कहा तब आरोपी दिनेश और उसके दोस्त भारत चिढ़ार ने जाकिर के साथ गाली गलौच करते हुए उस पर छुरी से घातक हमला करते हुए उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया था।



अलीराजपुर में 20 क्विंटल 79 किलोग्राम गांजे के पौधे सहित लगभग एक करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की खेती, तस्करी एवं विक्रय के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अलीराजपुर एवं नरसिंहपुर जिले में पुलिस ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए अवैध गांजे की खेती का पर्दाफाश किया तथा स्मैक सप्लाई नेटवर्क का खुलासा किया है। दोनों ही जिलों कार्यवाही कर पुलिस ने अवैध गांजे के पोधे एवं स्मैक सहित लगभग 1 करोड़ 52 लाख रुपए की संपत्ति जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिले में थाना आंबुआ क्षेत्र में चार थानों की पुलिस एवं साइबर टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर दो खेतों से गांजे के 2,040 पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 20 क्विंटल 79 किलोग्राम तथा अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। दोनों प्रकरणों में दो आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किए गए हैं। नरसिंहपुर में संचालित ऑपरेशन ईगल क्लॉ के तहत पुलिस ने स्मैक की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सांकल रोड क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों से क्रमशः 270 ग्राम एवं 230 ग्राम, कुल 500 ग्राम अवैध स्मैक जब्त की। पूछताछ में प्राप्त जानकारी के आधार पर राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र से कथित मुख्य सप्लायर को भी गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में दो मोटरसाइकिल एवं दो मोबाइल फोन सहित लगभग 52 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर सप्लाई नेटवर्क, आपराधिक रिकॉर्ड, संपत्ति एवं वित्तीय लेन-देन की जांच की जा रही है।

आखिर क्यों कायम है अंधेरा...

आप घंटों से बत्ती गुल होने की शिकायत कीजिए, जवाब मिलेगा कि लोड सेटिंग के कारण दिक्कत आ रही है... आधी रात में अंधेरे की वजह विभाग से पूछेंगे तो कॉल सेंटर से जवाब मिलेगा कि फलाना फीडर में काम चल रहा है...

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



शारदीय नवरात्र जैसे पर्व पर भी अगर अपने आस पड़ोस में सूनापन लगे तो क्या समझेंगे आप...? झांकी पंडालों में श्रद्धालुओं की उपस्थिति तो खूब है, लेकिन त्यौहार जैसी उमंग कहीं नजर नहीं आ रही, क्यों...? जब मंदिरों में वैदिक और धार्मिक अनुष्ठान तो चल रहे हैं तो वेद मंत्रों और ऋचाएं की गूंज से मोहल्ले मोहताज क्यों दिख रहे हैं...? क्यों भक्तों को पूजन पाठ आरती समेत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समय सारणी बदलने पर विवश होना पड़ रहा है...? आखिर लोड सेटिंग के नाम पर बिजली की अघोषित कटौती से कब तक जूझना पड़ेगा...? अघोषित बिजली कटौती ने पहले से ही ग्रामीणों के दैनिक जीवन को बदल कर रख दिया है... उस पर हद ये भी कि, ग्रामीण इलाकों में छोटे-मोटे व्यवसाय करने वाले लोगों के की दुकानदारी ही संकट में पड़ी हुई है... राजधानी के ग्रामीण क्षेत्रों के कई शासकीय अशासकीय विद्यालयों में अघोषित बिजली कटौती से पठन पाठन प्रभावित हो रहे हैं... यहां समस्याएं अलग अलग हो सकती हैं, लोगों की कठिनाई कई तरह की हो सकती है, लेकिन जिम्मेदारो के पास वही रटे हुए जवाब मौजूद हैं... घंटों से बत्ती गुल होने की शिकायत कीजिए, जवाब मिलेगा कि लोड सेटिंग के कारण दिक्कत आ रही है... आधी रात में अंधेरे की वजह विभाग से पूछेंगे तो कॉल सेंटर से जवाब मिलेगा कि फलाना फीडर में काम चल रहा है... अरे ये कैसा काम है जो इतने दिनों में भी निपटने को राजी ही नहीं है, लोड सेटिंग अगर अंधेरा करके ही होनी है तो रहवासियों को इत्तला तो दो... आम आदमी को असल समस्या और समाधान के बारे में कैसे मालूम होगा जब बकाया बिल राशि की वसूली में माहिर विभाग के जमीनी अमले में शामिल लोग लोगों से फोन पर बात करना ही पसंद नहीं करते... ग्रामीण राजधानी के जीवन में अफरा तफरी मचा चुके लोड सेटिंग से आखिर कब छुटकारा मिलेगा ये न जनता जानती है और न ही कोई बता रहा है... कांग्रेस की कुछ महीनो की सरकार में पांच मिनट के पावर कट को दस वर्षीय दिग्विजयी शासन की यादों से जोड़ देने वाले नेता आज क्या कर रहे हैं...? भोपाल भी वही है जनसेवक भी वही हैं, जनता भी वही है और त्यौहार भी वही हैं जिनके लिए अतिरिक्त रोशनी की जरूरत को कोई नकार नहीं सकता... लोड सेटिंग नामक बीमारी का कोई इलाज है या नहीं ये तो ज्ञात नहीं है, लेकिन नवरात्र के दौरान ये बीमारी जनसेवकों की छवि बीमार जरूर कर सकती है...

भारत भूषण विश्वकर्मा

भारतीय रेलवे ने 3,548 स्नातक-स्तरीय एनटीपीसी रिक्तियों की घोषणा की

महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए नए कैरियर के अवसर खुलेंगे

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



भारतीय रेलवे ने रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा जारी केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या 06/2026 के माध्यम से गैर-तकनीकी लोकप्रिय श्रेणियों (एनटीपीसी-स्नातक) की भर्ती के तहत स्नातक स्तर के 3,548 पदों की घोषणा की है। यह भर्ती योग्य स्नातकों को भारतीय रेलवे में करियर बनाने और देश के सबसे बड़े सार्वजनिक सेवा संगठनों में से एक के कामकाज में योगदान देने का अवसर प्रदान करती है। इस भर्ती में चार श्रेणियों के पद शामिल हैं, जिनमें मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक, मालगाड़ी प्रबंधक, कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइपिस्ट और वरिष्ठ क्लर्क सह टाइपिस्ट शामिल हैं। ये पद वाणिज्यिक सेवाओं, ट्रेन संचालन, लेखा और प्रशासन के क्षेत्र में कैरियर के अवसर प्रदान करते हैं, जो देशभर में रेलवे सेवाओं के कुशल संचालन में सहयोग करते हैं। कुल 3,548 रिक्तियों में से 2,750 पद मालगाड़ी प्रबंधक के लिए, 371 पद वरिष्ठ क्लर्क सह टाइपिस्ट के लिए, 300 पद कनिष्ठ लेखा सहायक सह टाइपिस्ट के लिए और 127 पद मुख्य वाणिज्य सह टिकट पर्यवेक्षक के लिए हैं। ये रिक्तियां स्नातकों को रेलवे संचालन और प्रशासन के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करने के अवसर प्रदान करती हैं। इन पदों पर प्रारंभिक मूल वेतन सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अंतर्गत दिया जाएगा। मुख्य वाणिज्यिक सह टिकट पर्यवेक्षक का प्रारंभिक मूल वेतन वेतन स्तर 6 पर 35,400 रुपये प्रति माह है, जबकि अन्य तीन श्रेणियों का प्रारंभिक मूल वेतन वेतन स्तर 5 पर 29,200 रुपये प्रति माह है। लागू भत्ते और सेवा शर्तें संबंधित नियमों के अनुसार होंगी। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 8 अक्टूबर 2026 से शुरू हो गई है और योग्य उम्मीदवार 6 नवंबर 2026, रात 11:59 बजे तक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 8 नवंबर 2026 है, जबकि आवेदन में संशोधन की अवधि 9 नवंबर से 18 नवंबर 2026 तक निर्धारित है। उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री या उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए और उन्हें पद-विशिष्ट निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा। अधिसूचित आयु सीमा 1 जनवरी 2027 को 18-33 वर्ष है, जिसमें निर्धारित नियमों के तहत पात्र श्रेणियों के लिए आयु में छूट दी जाएगी। योग्य स्नातकों को सलाह दी जाती है कि वे विस्तृत अधिसूचना की समीक्षा करें, अपनी पसंद के पदों के लिए आवश्यक शर्तों की पुष्टि करें।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।

RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088